page 1 and 8 Apr 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/28/2026 1:09 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशुधन क्षेत्र सरकारी नीतियों का मुख्य केंद्र : जावेद डार

5 तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की चोट के बाद पहली प्रतिक्रिया, बोले सब ठीक

8 चडवाल में अवैध शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

मौसम जम्मू — न्यूनतम 22, अधिकतम 39

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-102 | जम्मू तवी, मंगलवार 28 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

आतंकवाद विरोधी अभियान में पांच एलईटीटी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया

जम्मू, 27 अप्रैल । जम्मू और कश्मीर पुलिस ने 7 अप्रैल को आतंकवाद विरोधी अभियान में पांच एलईटीटी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। वह 16 वर्षों से फरार था और केंद्र शासित प्रदेश के बाहर ठिकाने बनाने में कामयाब रहा था। अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब और श्रीनगर के तीन निवासी मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को भी इस बड़े अभियान में गिरफ्तार किया गया, जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों ने भी भाग लिया था।

जांच में आतंकवादियों को रसद और वित्तीय सहायता प्रदान करने में शामिल एलईटीटी के एक गहरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। मामले की आगे की जांच के लिए एजेंसी ने सोमवार को गिरफ्तार आतंकवादियों को जम्मू स्थित विशेष एनआईए अदालत में पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने सभी पांचों आरोपी आतंकवादियों को एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। दो पाकिस्तानी नागरिकों को दो दिन की रिमांड दी गई, जबकि तीन स्थानीय आतंकवादियों को 15 दिन की हिरासत में भेजा गया

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए को पीएम मोदी ने बताया ऐतिहासिक, कहा- विकास के खुलेंगे नए रास्ते

भारत- न्यूज़ीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर, आपसी व्यापार, निवेश में विस्तार की बड़ी उम्मीद

नई दिल्ली, 27 अप्रैल ।। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) का उद्योग जगत ने जोरदार स्वागत किया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला एक महत्वपूर्ण और भविष्य को ध्यान में रखकर उठाया गया कदम बताया है। यह समझौता व्यापार विविधीकरण, नवाचार और सतत विकास जैसे साझा लक्ष्यों पर आधारित है, जो एक मजबूत और टिकाऊ साझेदारी की नींव रखता है। सीआईआई ने सोमवार को कहा कि इस समझौते की एक खास बात यह है कि इसमें व्यापार के साथ निवेश को भी जोड़ा गया है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर तक निवेश को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे भारत में औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम और इनोवेशन हब्स के विकास को गति मिलेगी। यह मॉडल व्यापार, निवेश और रोजगार सृजन

को एक साथ जोड़कर समग्र विकास को बढ़ावा देगा। भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का स्वागत करते हुए शीर्ष उद्योग मंडल ने कहा कि इस एफटीए के तहत भारतीय निर्यात को 100 प्रतिशत ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिलने से आने वाले वर्षों में व्यापार में बड़ा विस्तार देखने को मिल सकता है। इससे ट्रांसपोर्ट और ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स, प्लास्टिक और रबर, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा मशीनरी जैसे प्रमुख सेक्टर अपने निर्यात को बढ़ाने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा मजबूत करने की स्थिति में होंगे। इस समझौते का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाना है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का संकेत है। यह समझौता एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, एग्रीटेक, फूड प्रोसेसिंग, डिजिटल टेक्नोलॉजी और फार्मास्युटिकल्स जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खोलता है। भारत की विशाल क्षमता और डिजिटल ताकत के साथ न्यूजीलैंड की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योगों का निर्माण कर सकती है। साथ ही, ग्रीन और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग में साझेदारी जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में भी मदद करेगी। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने इस ऐतिहासिक समझौते के लिए भारत सरकार को बधाई देते हुए कहा कि यह भारत-न्यूजीलैंड व्यापार को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एफटीए भारतीय उद्योग के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा और इससे निर्यात की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय सुधार होगा।

जम्मू से श्रीनगर के लिए शुरू होने वाली ट्रेन सेवा से केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा : उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 27 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि जम्मू टर्मिनल से श्रीनगर के लिए शुरू होने वाली आगामी ट्रेन सेवा गुरुवार से शुरू होगी, जिससे केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलेगा।

जम्मू और कश्मीर में रेल संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत एक्सप्रेस 30 अप्रैल से जम्मू और श्रीनगर के बीच चलेगी। यह प्रीमियम ट्रेन सेवा पिछले नौ महीनों से श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच चल रही है, जो अब जम्मू तवी तक विस्तारित की जाएगी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि ट्रेन सेवा की बढ़ी हुई क्षमता से अधिक यात्री यात्रा कर सकेंगे, जिससे संपर्क में सुधार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि इससे पर्यटन क्षेत्र को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा। आपको याद होगा कि मैंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि ट्रेन की क्षमता अब तक सीमित रही है। कटरा और श्रीनगर के बीच केवल आठ डिब्बों वाली ट्रेन चल रही थी। अब यह बीस डिब्बों वाली ट्रेन होगी, जिसका मतलब है कि अधिक यात्री यात्रा कर सकेंगे।

अब्दुल्ला ने आगे कहा कि ऐसी सेवाएं जारी रहनी चाहिए और हम ट्रेनों की आवृत्ति और क्षमता दोनों में वृद्धि चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा से संबंधित किसी भी अतिरिक्त मुद्दे या सुझाव को 30 अप्रैल को आधिकारिक समारोह में संबंधित मंत्री की उपस्थिति में उठाया जाएगा। जम्मू और कश्मीर में स्टार्टअप इकोसिस्टम के बारे में बात करते हुए अब्दुल्ला ने स्वीकार किया कि उनका राज्य उन कई राज्यों से पीछे है जिन्होंने स्टार्टअप पहल पहले शुरू की थी लेकिन उन्होंने कहा कि हम उनके अनुभवों से सीख सकते हैं और उनकी गलतियों को हमें दोहराने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2024 में घोषित स्टार्टअप नीति ने विकास की नींव रखी है और अब वित्तपोषण और विकास को समर्थन देने के लिए बजटीय प्रावधान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां स्टार्टअप के लिए एक इकोसिस्टम बनाने की कोशिश कर रहे हैं और बताया कि सरकारी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अपने हालिया दौरे के दौरान एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की मांग उठाई गई थी। अब्दुल्ला ने कहा कि हम इस वर्ष वहां एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने पर काम करेंगे।

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ पीएसए किया रद्द

जम्मू, 27 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक के खिलाफ सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) को रद्द कर दियाद्य

पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष मलिक को सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डालने के आरोप में पिछले साल 8 सितंबर को कड़े पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में कठुआ जेल में बंद कर दिया गया था। 24 सितंबर को उन्होंने उच्च न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करके अपनी हिरासत को चुनौती

दी और मुआवजे के रूप में 5 करोड़ रुपये की मांग की।

आप प्रवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया ने सुनवाई के बाद संवाददाताओं से

कहा कि हाई कोर्ट ने 23 फरवरी को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने आज मेहराज मलिक के मामले में अपना फैसला सुनाकर पीएसए कर दिया है।

उपराज्यपाल सिन्हा नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए उधमपुर पदयात्रा में हुए शामिल

जम्मू, 27 अप्रैल । नशे के खिलाफ युद्ध में एकता हमारी ढाल होगी और संकल्प हमारा हथियार। आइए हम एक ऐसे जम्मू कश्मीर को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हों, जहां युवा स्वतंत्र नियति बनाते हैं, परिवार समग्र रहते हैं, समुदाय मजबूत होते हैं और आकांक्षाएं नए सिरे से चमकती हैं।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि हम अपने युवाओं के लिए अपने भविष्य के लिए अटल रूप से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ लड़ाई सभी विभाजनों से परे एकता की मांग करती है। जम्मू कश्मीर के नागरिकों के रूप में हमें अपने युवाओं की सुरक्षा, परिवारों को

मजबूत करने और समृद्धि को सुरक्षित करने के अपने सामान्य कर्तव्य से बंधे हुए एक साथ खड़े होने की प्रतिज्ञा करनी चाहिए।

उपराज्यपाल उधमपुर में नशामुक्त जम्मू कश्मीर अभियान में बोल रहे थे। उपराज्यपाल पदयात्रा में हजारों निवासियों के साथ शामिल हुए थे और प्रत्येक नागरिक से नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान को नशीले पदार्थों के खिलाफ हमारे साझा युद्ध के रूप में पहचानने का आग्रह किया और उन्होंने कहा कि हमें मिलकर इस लड़ाई को जीतना चाहिए। उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू कश्मीर अब हमारे समाज को नुकसान पहुंचाने वाली नशीली दवाओं के खतरे को खारिज करने के लिए नई ताकत के साथ उठ रहा है। हम अपने युवाओं को इसकी चपेट से बचाने की कसम खाते हैं। मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि हमारी भूमि की भावना को दबाया नहीं जाएगा। यह समाज के जागने लड़ने और जीत हासिल करने का समय है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ कोई भी प्राधिकारी अकेले इस लड़ाई को नहीं लड़ सकता है और इसे हर दिल के भीतर प्रज्वलित करना होगा। उपराज्यपाल ने कहा कि उधमपुर के हर गांव, गांव और शहर को प्रतिरोध का किला बनने दें, हर घर को एक सतर्क गढ़ के रूप में खड़ा होने दें।

प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा स्कूल यूएपीए के तहत गैरकानूनी संस्था घोषित

श्रीनगर, 27 अप्रैल । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े व्यक्तियों द्वारा संचालित एक स्कूल को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया है।

संभागीय आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने शोपियां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर दो पृष्ठ का आदेश जारी किया है, जिसमें शोपियां के इमाम साहिब स्थित दारुल उलूम जामिया सिराजुल उलूम में अवैध गतिविधियों की ओर इशारा किया गया है। गर्ग के 24 अप्रैल को जारी आदेश के अनुसार संस्था के जमात-ए-इस्लामी के साथ निरंतर और गुप्त संबंधों को दर्शाने वाले विश्वसनीय इनपुट और रिकॉर्ड में मौजूद साक्ष्य मौजूद हैं, जिसे भारत सरकार ने 2019 में प्रतिबंधित कर दिया था।

आदेश में कहा गया है कि प्रतिबंधित संगठन से जुड़े व्यक्तियों का संस्था पर वास्तविक नियंत्रण है, जिसमें उन्हें प्रमुख प्रशासनिक और शैक्षणिक पदों पर नियुक्त करना भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि संस्था ने समय के साथ कट्टरपंथ के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा दिया है और संस्था से उत्तीर्ण होने वाले कई छात्र आतंकवादी गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक कृत्यों में शामिल पाए गए हैं दस्तावेज़ में वित्तीय पारदर्शिता की कमी, संस्थागत निधियों के संदिग्ध प्रबंधन और वित्तीय नियंत्रण संरचनाओं में बदलाव के मुद्दे भी उठाए गए हैं, जिससे निधियों के दुरुपयोग और हेराफेरी की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि संचयी तथ्यों और परिस्थितियों से पर्याप्त आधार मिलता है कि परिसर का उपयोग एक गैरकानूनी संगठन के उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है।

जम्मू और कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक अस्थिर मौसम की संभावना

श्रीनगर, 27 अप्रैल। मौसम विज्ञान केंद्र ने जम्मू और कश्मीर में अगले कुछ दिनों तक अस्थिर मौसम की संभावना जताई है, जिसमें बारिश, गरज और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 27 और 28 अप्रैल को क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी।

साथ ही तेज हवाएं चलेंगी और कुछ स्थानों पर, विशेष रूप से दोपहर और शाम के समय ओलावृष्टि की भी संभावना है। 29 और 30 अप्रैल को मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

गैर मुमकिन खड्डों का सुलझेगा पेच, उपमुख्यमंत्री ने जनहित में वैज्ञानिक मैपिंग और जल्द समाधान के दिए निर्देश

जम्मू, 27 अप्रैल। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज सिविल सचिवालय, जम्मू में जम्मू-कश्मीर में गैर मुमकिन खड्डों से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए गठित उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता की। समिति ने सभी बाढ़ क्षेत्र क्षेत्रों के संरक्षण पर जोर दिया, हालांकि, सभी जिलों में लंबे समय से चली आ रही सार्वजनिक चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए गैर मुमकिन खड्डों के पुराने क्षेत्रों की पहचान करने पर बल दिया। बैठक में जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा और कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभागों के मंत्री जावेद अहमद डार ने उप-समिति के सदस्यों के रूप में भाग लिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल शक्ति विभाग, शालीन काबरा ने उप-समिति को गैर

मुमकिन खड्डों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि गैर मुमकिन खड्डों के पुराने क्षेत्रों की पहचान प्राथमिकता के आधार पर की जाए। सभी बाढ़ संभावित क्षेत्रों के संरक्षण पर जोर देते हुए, उन्होंने संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने गैर मुमकिन खड्डों के संबंध में जनता द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के समाधान के लिए इनपुट और सुझाव भी मांगे। इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री ने वास्तविक शिकायतों का सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए जन-समर्थक और व्यावहारिक निर्णय लेने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से पुराने क्षेत्रों में जोन-वार मैपिंग को तेज करने और समय पर पूरा करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उप-समिति ने जनता को जहाँ भी उचित हो राहत प्रदान करने के उद्देश्य से गैर मुमकिन खड्डों, दरियाओं और नालों की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ संबंधित चिंताओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। उपमुख्यमंत्री ने सभी हितधारकों के संवेदीकरण का भी आह्वान किया और गैर मुमकिन खड्डों, नालों और आस-पास की गैर-कृषि योग्य बंजर भूमि की वैज्ञानिक मैपिंग की आवश्यकता पर बल दिया। उप-समिति के सदस्यों ने बहुमूल्य सुझाव दिए और तत्काल ध्यान देने योग्य विभिन्न सार्वजनिक चिंताओं पर प्रकाश डाला। अपने सुझाव देते हुए सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि सार्वजनिक चिंताओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों द्वारा समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। शुरुआत में बोलते हुए, कृषि उत्पादन मंत्री जावेद अहमद डार ने जनता की वास्तविक चिंताओं को दूर करने पर जोर दिया। अन्यों के अलावा, बैठक में राजस्व सचिव राजीव रंजन, मुख्य अभियंता आईएंडएफसी विशेष सचिव राजस्व और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

एनआईए ने लश्कर-ए-तैयबा के अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल से संबंधित मामला अपने हाथों में लिया

जम्मू, 27 अप्रैल । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल के खुलासे से संबंधित मामले को अपने हाथ में ले लिया है और सोमवार को पूछताछ के लिए दो पाकिस्तानी नागरिकों सहित पांच गिरफ्तार आतंकवादियों को हिरासत में ले लिया है।

जम्मू और कश्मीर पुलिस ने 7 अप्रैल को आतंकवाद विरोधी अभियान में पांच एलईटीटी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है। वह 16 वर्षों से फरार था और केंद्र शासित प्रदेश के बाहर ठिकाने बनाने में कामयाब रहा था। अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब और श्रीनगर के तीन निवासी मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को भी इस बड़े अभियान में गिरफ्तार किया गया, जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों ने भी भाग लिया था।

जांच में आतंकवादियों को रसद और वित्तीय सहायता प्रदान करने में शामिल एलईटीटी के एक गहरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। मामले की आगे की जांच के लिए एजेंसी ने सोमवार को गिरफ्तार आतंकवादियों को जम्मू स्थित विशेष एनआईए अदालत में पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने सभी पांचों आरोपी आतंकवादियों को एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। दो पाकिस्तानी नागरिकों को दो दिन की रिमांड दी गई, जबकि तीन स्थानीय आतंकवादियों को 15 दिन की हिरासत में भेजा गया

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए व्यापार, निवेश और उद्यमिता के नए द्वार खोलेगा : खंडेलवाल

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को हुए ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) का कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने स्वागत किया। कैट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक कूटनीति, वैश्विक व्यापार विस्तार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की यह एक बड़ी उपलब्धि है। कैट ने कहा कि यह एफटीए व्यापार, निवेश और उद्यमिता के नए द्वार खोलेगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह समझौता भारत को विश्व व्यापार में नए अवसर प्रदान करेगा तथा व्यापार, निवेश, नवाचार, कृषि, प्रौद्योगिकी और जन-से-जन संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और यह एफ़टीए उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। संसद सदस्य प्रवीन खंडेलवाल ने आगे कहा कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाने की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के कुशल मार्गदर्शन, अथक प्रयासों और प्रभावशाली वार्ताकारिता ने इस समझौते को सफलतापूर्वक अंतिम रूप दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह एफ़टीए भारतीय व्यापारियों, उद्योगों और उद्यमियों के लिए वैश्विक अवसरों के नए द्वार खोलेगा। विशेष रूप से एमएसएमई, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए यह समझौता गेम-चेंजर सिद्ध होगा। इससे एमएसएमई को नए निर्यात बाजार मिलेंगे, स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर प्राप्त होंगे और महिला उद्यमियों को वैश्विक व्यापार में मजबूत भागीदारी का मार्ग मिलेगा।

‘भारत और अन्य देशों के बीच सभी मुक्त व्यापार समझौतों में किसानों और देश के हितों को रखा गया सर्वोपरि’

श्रीनगर, 27 अप्रैल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि भारत और अन्य देशों के बीच सभी मुक्त व्यापार समझौतों में किसानों और देश के हितों को सर्वोपरि रखा गया है। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उन आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की कृषि को अमेरिका के हाथों बेच卐 दिया है। उन्होंने (कांग्रेस) कभी कुछ नहीं किया। उन्होंने किसानों और हमारे खेतों को बर्बाद कर दिया। चौहान ने यहाँ संवाददाताओं से कहा, अब अगर हम काम कर रहे हैं, तो उन्हें यहाँ-वहाँ आरोप लगाने हैं। मैं यह दृढ़ता से कह सकता हूँ कि जितने भी मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं, वे भारत के

लोगों के हितों को सबसे ऊपर रखकर किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते किसानों के हितों को सर्वोपरि रखकर किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, कई मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं, (लेकिन) अमेरिका के साथ अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। जो भी मुक्त व्यापार समझौता किया गया है, वे किसानों और देश के हित में हैं। न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर सेब उत्पादकों की चिंता के सवाल पर चौहान ने कहा कि आयात हमारी अपनी शर्तों पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं यहाँ उत्पादकों से मिल रहा हूँ। हम उनकी बात सुनेंगे। मंत्री ने कहा कि भारत में 26 लाख मीट्रिक टन सेब की खपत है और देश में लगभग 20 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन होता है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

लीडर बनोगे या पोजीशन होल्डर?

अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है।

आईआईएम कोझिकोड के निदेशक देबाशीष चटर्जी ने अपनी हालिया किताब 'द अदर 99' में लीडरशिप के जटिल मुद्दों को उठाया है। एक लीडर और एक पोजिशन होल्डर के बीच के अंतर पर यह किताब खास जोर देती है। किताब कहती है कि अधिकतर लोग पोजिशन होल्डर होते हैं, जिनका ध्यान मात्र पोजिशन को बनाए रखने, अपने वेतन और मिलने वाले भत्तों पर होता है। वे अपना काम अपने विभाग, अपनी वरिष्ठता और जॉब प्रोफाइल के रूप में बताते हैं। वहीं एक लीडर किसी वस्तु, सेवा या काम को वेल्यू प्रदान करता है। उसका फोकस योगदान पर होता है। इस भूमिका में एक नेता जीवन को वह लौटा रहा होता है, जो उसे जीवन से मिला है। अपने योगदान से वह अपने साथ के लोगों को विकसित करने और उन्हें अपना प्रकाश ढूंढ़ने के लिए प्रेरित करता है। पोजिशन होल्डर की तुलना में एक लीडर का काम स्व-सेवा के दायरे से निकल कर बड़े स्तर पर काम को प्रभावित करना होता है। अक्सर हम अपनी ऊर्जा काम की जगह काम के बारे में बोलने में खर्च करते हैं। आईबीएम के सीईओ लो गर्स्टनम ने कहा है, मैं हरेक काम को बिना बोले अंजाम देने में यकीन रखता हूं। जब काम सब कुछ कह रहा हो, तो बोलकर उसमें बाधा डालने की जरूरत क्या है? जब काम कर रहे हों, तो पूरा ध्यान काम पर ही लगाएं। जैसे, जब आप चल रहे हों, तब केवल चलें और अपने पैरों का सतह के साथ संपर्क अनुभव करें। आपको अपने पैर ऊर्जा के केंद्र प्रतीत होंगे। अन्य कार्यों में भी ऐसा करके आप अपने कामों को गति दे सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने का अच्छा तरीका निःस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना है। हारवर्ड के एक शोध के अनुसार जो लोग बिना किसी लोभ के दूसरों की मदद करते हैं, उनमें ऊर्जा का स्तर अधिक होता है। दूसरों की मदद करके हम अपनी सीमाओं में विस्तार कर पाते हैं। कार्यों में गैर जरूरी और बेतरतीब कामों को नोट करके रखें। काम के दौरान गॉसिपिंग एक ऐसा ही कार्य है, जिससे काम में भी कोई मदद नहीं मिलती और मूर्खतापूर्ण बातों में समय और ऊर्जा भी व्यर्थ होते हैं। अपनी ऊर्जा को गैर-जरूरी कामों से निकाल कर जरूरी कामों में निवेश करें। कब विराम लगाना है, यह जानना भी जरूरी है। एक सीमा के बाद कार्य पर से ध्यान हटाना भी जरूरी होता है, क्योंकि हरेक चीज की अपनी रफ्तार होती है, जिस पर आपका नियंत्रण नहीं होता। आपका अतिरिक्त प्रयास उसमें गति नहीं देता। जैसे दफ्तर के लिए बस में बैठने के बाद बार-बार ड्राइवर को ऑफिस पहुंचने का निर्देश देना जरूरी नहीं होता।

पूंजी-बाजार की पकड़ देगी अच्छा रिटर्न

बीएफएसआई यानी बैंकिंग फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस, ऐसा सेक्टर है जो गतिशील होने के साथ-साथ विविधता भरा है। यहां सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए, एमएफआई/आईआरडीए जैसे सर्टीफिकेटधारियों की अच्छी मांग तो है ही, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल प्लानिंग या सीएफपी वालों को भी खासी वरीयता दी जा रही है। रिसर्च में भी अवसरों की कमी नहीं है।

बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में आए सुधार ने इन क्षेत्रों के जानकारों की मांग बढ़ा दी है। यही नहीं, बैंकिंग कंपनियों के आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट्स की तेजी ने आईटी कंपनियों में भी वित्तीय समझ रखने वाले प्रोफेशनल्स की उपस्थिति को अनिवार्य बना दिया है। आईटी और एफएमसीजी की ओर रुख कर रहे छात्र एक बार फिर बीएफएसआई में कैरियर की अच्छी संभावनाएं देखने लगे हैं। बीएफएसआई क्षेत्र में मौजूद व्यापक संभावनाओं को इस बात से समझा जा सकता है कि फिलहाल देश के 40 प्रतिशत लोग ही बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। छह लाख से अधिक गांव ऐसे हैं, जहां बैंक अभी तक नहीं पहुंचे हैं और कुल 38 प्रतिशत बैंक शाखाएं ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रही हैं। बैंक और वित्त मामलों के जानकार वीके सूरी के अनुसार 'इसमें दोराय नहीं कि बैंकिंग, वित्त और इंश्योरेंस सुविधाओं में हो रहे विस्तार से ग्रामीण क्षेत्र बहुत दिनों तक अछूते नहीं रहेंगे। दिनोंदिन फैल रहा इनका नेटवर्क टॉप बी-स्कूलों के प्रोफेशनल्स के साथ वित्तीय मामलों की समझ रखने वाले सामान्य कॉमर्स ग्रेजुएट्स और आईआरडीए/एएमएफआई सर्टीफिकेट कोर्स करने वालों युवाओं के लिए भी नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेगा। बीएफएसआई एक गतिशील क्षेत्र है। यहां सभी स्तर पर रोजगार के अवसर हैं, बशर्ते आप इंडस्ट्री में आ रहे बदलावों से खुद को अपडेट रखें। एक पेड़ जितना बाहर से बड़ा और मजबूत होता है, उतनी ही उसकी जड़ें भीतर भी फैली होती हैं। इसी कारण इस क्षेत्र में पैठ बनाने के लिए फ्रेशर्स को प्रारंभ में पैसे से अधिक अनुभव और जानकारी अर्जित करने पर फोकस रखना चाहिए।

हायरिंग ट्रेंड्स

बीएफएसआई एक सदाबहार क्षेत्र है, जिनके जानकारों की मांग सभी क्षेत्रों में होती है। इस इंडस्ट्री में काम करने वालों के लिए इतने अधिक अवसरों की उपलब्धता इससे पहले कभी नहीं रही। जॉब मार्केट में भी

लचीलापन है और सभी स्तरों पर रोजगार के अवसर हैं। एक अनुमान के अनुसार इस वित्त वर्ष में बीएफएसआई में लगभग 65 हजार से अधिक नई नौकरियों के अवसर उत्पन्न होंगे।

खुद को करें तैयार

सूचना तकनीक की भूमिका बढ़ने से बैंकिंग क्षेत्र में ढांचागत परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लोबल बैंकिंग के क्षेत्र में हो रहे विस्तार तथा इंटरनेशनल ट्रेड में बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स की मांग को बढ़ाएगी। रवि राव कहते हैं, 'भारतीय निर्यात यदि 15 प्रतिशत की सालाना दर से भी बढ़ता है तो विदेशी विनिमय से जुड़े कारोबार में प्रोफेशनल्स की मांग बड़े स्तर पर होगी।' क्रेडिट सेवाओं का दायरा भी लगातार मजबूत हो रहा है। विभिन्न फाइनेंशियल कंपनियां इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड निवेश की योजनाएं पेश कर रही हैं। ब्रोकरेज व कंसल्टिंग फर्मों में पोर्टफोलियो मैनेजरों की मांग और बढ़ेगी।

इन स्किल्स की दरकार

बीएफएसआई, आर्थिक लेन-देन और हिसाब-किताब से जुड़ा क्षेत्र है, इसी कारण यह संवेदनशील भी है। कैरियर काउंसलर के अनुसार 'निवेश सलाह देने वाली कंपनियां बाजार में तेजी से बढ़ रही हैं। इस क्षेत्र में काम करने वालों के लिए वित्त मामलों की समझ होना जरूरी है। लोगों की जरूरत को समझकर उनकी निवेश पूंजी में वृद्धि करने का गुण उम्मीदवार में अवश्य होना चाहिए। इसलिए कॉमर्स ग्रेजुएट्स या पोस्ट ग्रेजुएट्स, बैंकिंग और फाइनेंस में एमबीए, साथ ही एएमएफआई/आईआरडीए जैसा सर्टीफिकेशंस रखने वालों की खासी मांग रहती है।

सहकर्मियों और बॉस को अपना मुरीद बनाना चाहते हैं तो विषय के साथ प्रभावी बातचीत करने के गुर सीखने पर भी जोर दें। वर्कप्लेस पर आपकी बातचीत तनाव का कारण न बने, इसके लिए समय, स्थान और व्यक्ति को ध्यान रखना जरूरी होता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में 'चलता है' एटीट्यूड महंगा पड़ता है।

वर्कप्लेस पर बोलें जरा संभलकर

नितिन एक सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, उन्हें नौकरी करते हुए अभी डेढ़ साल ही बीता है। इस दौरान वे चार प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर अलग-अलग टीमों के साथ काम कर चुके हैं। इस वर्ष उन्हें प्रमोशन भी मिली, साथ में अच्छी परफॉरमेंस के कारण कंपनी ने उन्हें बेस्ट एंप्लॉई की सूची में रखते हुए दो बड़े मॉल्स से पांच-पांच हजार की शॉपिंग के गिफ्ट वाउचर भी दिए। नितिन की इस तरक्की में उनकी तकनीकी समझ के साथ अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स की भी खासी भूमिका रही है। नितिन कहते हैं, 'मेरे अप्रेजल फॉर्म में सीनियर बॉस ने फीडबैक में लिखा कि मैं सीनियर्स व टीम के सदस्यों के साथ शालीनता से पेश आता हूं। नए काम के बारे में मेरी सोच सकारात्मक होती है और अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स के कारण मुझे दूसरे सेंटर्स पर भी क्लाइंट्स से बातचीत के लिए भेजा जा सकता है।' एस्पायर ह्यूमन कैपिटल मैनेजमेंट के ईवीपी आलोक जैन कहते हैं, 'वर्कप्लेस पर उम्मीदवार की प्रभावी बातचीत का ढंग दूसरे कर्मचारियों में उम्मीदवार की अच्छी साख बनाता है। स्किल्स से आशय है कि आप दूसरे पक्ष तक बिना किसी उलझन के अपनी बात सही रूप में पहुंचाएं। नियम है कि जैसी आपकी बात होती है, वैसी ही आपको प्रतिक्रिया मिलेगी।' पर्सनैलिटी एन्हैंसर रीता गंगवानी कहती हैं, 'वर्कप्लेस पर प्रभावी कम्युनिकेशन के दो सूत्र हैं। पहला, अपनी बात बोलने के साथ दूसरों की बात को सही ढंग से सुनें। बात को समझने के बाद ही कोई प्रतिक्रिया दें। दूसरा, बात करते समय सही स्थान और समय का ध्यान रखें। कौन सी बात सहकर्मियों के समक्ष बोलनी है, मीटिंग में किस बात को कैसे रखना है आदि। खुले में सीनियर की बात पर कैसी प्रतिक्रिया देनी है, इसे ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर की गलत बात पर तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया न दें। अपनी बात सुझावात्मक ढंग से रखें। यदि बॉस आपसे बहुत खुल कर बातचीत करते हैं तो भी आप अपनी सीमाओं में रहें।' कैरियर काउंसलर जितिन कहते हैं, 'विभाग और टीम के सदस्यों के साथ इंटर्नल तथा कस्टमर और क्लाइंट के साथ एक्सटर्नल कम्युनिकेशन दोनों ही मायने रखते हैं। आईटी, बीपीओ, रिटेल या टूरिज्म जैसे सेवा क्षेत्रों में इंग्लिश कम्युनिकेशन की एक खास भूमिका होती है। आमतौर पर तकनीकी पृष्ठभूमि से जुड़े युवा और शैक्षिक संस्थानों में कम्युनिकेशन पहलू पर महत्व नहीं देते, जो अंततः उम्मीदवार की रोजगार योग्यता को कम कर देता है। यह एक ऐसी जरूरत है, जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। सीनियर के साथ एसएमएस या ई-मेल से बात करते समय अपने लिखे हुए को अच्छी तरह अवश्य पढ़ लेना चाहिए। स्पैलिंग और ग्रामर के साथ अपनी शैली पर भी ध्यान दें।'

हर स्तर पर काम आती है कम्युनिकेशन स्किल

जॉब मार्केट में उतरते ही प्रोफेशनल व्यवहार और बातचीत का ध्यान रखना जरूरी होता है। रिज्यूम और इंटरव्यू में तो रिक्रूटर्स उम्मीदवार की कम्युनिकेशन स्किल्स को परखते ही हैं, काम के दौरान भी कम्युनिकेशन स्किल काफी मायने रखती है। रिज्यूम और इंटरव्यू के दौरान विनम्र और सकारात्मक रुख से बात करें। सीनियर स्तर पर अंग्रेजी का ज्ञान होना जरूरी है। ई-मेल से कम्युनिकेट करते समय उसकी ड्राफ्टिंग कंपनी की कार्य संस्कृति ध्यान में रखकर करें, जैसे वरिष्ठ को नाम से संबोधित कर सकते हैं या नहीं, आदरसूचक शब्दों के तौर पर वहां क्या इस्तेमाल करते हैं आदि। अक्सर फ्रेशर्स सीधे ही बात लिख देते हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है। बॉस के स्वभाव को ध्यान में रखें। कर्मचारियों की लेखन क्षमता जानने के लिए कंपनियां शुरुआत में उनकी रुचियों या संस्थान को ज्वॉइन करने के उद्देश्य के संबंध में लिखित में नोट लेती हैं, जिससे उम्मीदवारों की वॉकेबुलरी, वाक्य संरचना और संक्षेप में बात प्रस्तुत करने की योग्यता का पता लगाना आसान हो जाता है। प्रोफेशनल कम्युनिकेशन में चलता है नहीं चलता।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशुधन क्षेत्र सरकारी नीतियों का मुख्य केंद्र : जावेद डार

जम्मू, 27 अप्रैल। जम्मू और कश्मीर पशु चिकित्सा डॉक्टर संघ, जम्मू ने आज कन्वेंशन सेंटर, जम्मू में 'पशु चिकित्सक- भोजन और स्वास्थ्य के रक्षक' विषय पर एक दिवसीय तकनीकी सम्मेलन का आयोजन किया। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, सहकारिता और चुनाव विभाग के मंत्री, जावेद अहमद डार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने पशु और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा में पशु चिकित्सकों की अनिवार्य भूमिका की सराहना की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पशु चिकित्सा पेशेवर विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करते हैं, जिनमें फील्ड ऑपरेशन, फार्म, क्लीनिक, प्रयोगशालाएं और जलीय कृषि

शामिल हैं; इस प्रकार वे पशुधन की भलाई सुनिश्चित करते हैं और खाद्य सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत बनाते हैं। इस क्षेत्र के आर्थिक महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने कहा कि स्वस्थ और उत्पादक पशुधन खाद्य उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने, रोजगार सृजित करने और सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर लचीलापन बनाने के लिए एक मजबूत और सुसज्जित पशु चिकित्सा नेटवर्क अत्यंत आवश्यक है। जावेद डार ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार लगातार ऐसी नीतियां बना रही है जिनका उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास और संवर्धन करना है, जिसमें पशुधन क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न वक्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों और मांगों का प्राथमिकता के आधार इससे पहले, मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया और पशु चिकित्सकों तथा अन्य हितधारकों के साथ बातचीत की, तथा इस क्षेत्र में उनके योगदान और नवाचारों की सराहना की।

उपराज्यपाल सिन्हा ने मढ़ और जौरियन के युवाओं को इनडोर स्टेडियम समर्पित किए

जम्मू, 27 अप्रैल (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को मढ़ में अत्याधुनिक बाबा जित्तो इंडोर स्टेडियम और अखनूर के जौरियन में इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम का उद्घाटन किया। युवाओं को खेल सुविधाएं समर्पित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि आधुनिक शूटिंग रेंज और बहुमुखी इनडोर कोर्ट से सुसज्जित नए इनडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम उत्कृष्टता को प्रेरित करने और कल के चैंपियन तैयार करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

उपराज्यपाल ने वर्चुअल माध्यम से मढ़ और अखनूर के युवाओं के साथ भी बातचीत की और खेल विकास में समावेशिता सुनिश्चित करने और युवा उम्मीदवारों के बीच अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उपराज्यपाल ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं से नशा मुक्त जम्मू कश्मीर के लिए आंदोलन का नेतृत्व करने का भी आह्वान किया।

उपराज्यपाल ने नागरिकों से मादक द्रव्यों के सेवन की रिपोर्ट करने और पीड़ितों के पुनर्वास में सक्रिय रूप से समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पुलिस और नागरिक प्रशासन मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। सीएसआर पहल के तहत एचडीएफसी बैंक के सहयोग से जिला प्रशासन जम्मू द्वारा विकसित इनडोर खेल स्टेडियम विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इनमें एक आधुनिक राइफल शूटिंग रेंज, उच्च गुणवत्ता वाले बैडमिंटन और टेबल टेनिस कोर्ट, कैरम और शतरंज जैसे इनडोर खेलों के लिए समर्पित कमरे और युवाओं और स्थानीय लोगों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित वाचनालय शामिल हैं।

उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ मनदीप के. भंडारी; रमेश कुमार, मंडलायुक्त, जम्मू; डॉ. राकेश मिन्हास, उपायुक्त जम्मू; लोक भवन में उद्घाटन समारोह में जम्मू के अतिरिक्त उपायुक्त विधु शेखर और एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधि शामिल हुए। सुरिंदर भगत, विधान सभा सदस्य मढ़; मोहन लाल भगत, विधान सभा अखनूर के सदस्य वरिष्ठ अधिकारी, प्रमुख नागरिक और मढ़ और जौरियन के स्थानीय लोग भी वर्चुअल मोड के माध्यम से शामिल हुए

गौ माता के सम्मान में पैदल मार्च, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

कठुआ, 27 अप्रैल (हि.स.)। गौ सम्मान आह्वान राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत कठुआ में गौ रक्षकों ने साधु-संतों के साथ मिलकर एक प्रभावशाली पैदल मार्च निकाला। इस दौरान गौ माता के संरक्षण और सम्मान को लेकर प्रदर्शनकारियों ने जोरदार तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। यह पैदल मार्च शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जिला सचिवालय पहुंचा जहां बड़ी संख्या में गौ रक्षक और संत समाज के लोग एकत्रित हुए। पूरे मार्च के दौरान गौ माता के सम्मान में नारेबाजी की गई और लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा तथा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नाम तहसीलदार कठुआ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गौ माता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने, गौ तस्करी पर सख्त कानून लागू करने तथा गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की प्रमुख मांगें शामिल रहीं। गौ रक्षकों का कहना था कि गौ माता भारतीय संस्कृति और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है इसलिए इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए जाने बेहद जरूरी हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के युवक का शव पांच दिनों के बाद श्रीनगर के ओल्ड ज़ैना कदल से बरामद

श्रीनगर, 27 अप्रैल (हि.स.)। झेलम नदी में 22 अप्रैल को छलांग लगाने वाले उत्तर प्रदेश के युवक का शव पांच दिनों की तलाशी के बाद सोमवार को एसडीआरएफ टीमों ने श्रीनगर के ओल्ड ज़ैना कदल से बरामद किया। एक अधिकारी ने बताया कि एसडीआरएफ क्यूआरटी झेलम की टीमों ने आज चलाए गए अभियान के दौरान नदी से शव बरामद किया। मृतक की पहचान मोहम्मद कुरेश सिद्दीकी (18) के रूप में हुई, जो मोहम्मद नवाब सिद्दीकी का पुत्र और उत्तर प्रदेश निवासी था। अधिकारियों ने बताया कि शव पुलिस को सौंप दिया गया है और चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताओं के लिए भेज दिया गया है।

आईआरपी 21 बटालियन ने बारामूला और बांदीपोरा में नशा विरोधी अभियान किया तेज

श्रीनगर, 27 अप्रैल (हि.स.)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने और युवाओं की सुरक्षा के लिए एक ठोस प्रयास में आईआरपी 21 बटालियन ने बारामूला और बांदीपोरा जिलों में नशा मुक्ति अभियान के तहत एक गहन जागरूकता अभियान शुरू किया है। यह पहल उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में प्रमुख लोक कल्याण चिंताओं को संबोधित करने के उद्देश्य से केंद्र शासित प्रदेश के चल रहे 100-दिवसीय अभियान का हिस्सा है। नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान जागरूकता, आउटरीच और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन को रोकने के लिए एक केंद्रित प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अभियान के हिस्से के रूप में आईआरपी 21 बटालियन ने अधिकतम सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति अपनाई है। दोनों जिलों में विभिन्न मोबाइल वाहन चेक पोस्टों पर सूचनात्मक नशीली दवाओं के विरोधी फ़्लायर्स वितरित किए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों और आम जनता के साथ सीधा जुड़ाव हो सके। इसके अलावा घरों के बीच गहरी पैठ और अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कश्मीर घाटी में व्यापक रूप से प्रसारित समाचार पत्रों में जागरूकता फ़्लायर्स डाले जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं को स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में शिक्षित करते हुए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के गंभीर परिणामों को उजागर करना है। इसका उद्देश्य नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना और मादक द्रव्यों के सेवन से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए सहायता प्रणालियों को बढ़ावा देना भी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज मंगलवार को श्रीनगर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना -IV करेंगे लॉन्च

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान कल से दो दिन के कश्मीर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान 28 अप्रैल को श्रीनगर में शिवराज सिंह पीएमजीएसवाई-IV बैच-II की लॉन्चिंग के रूप में कश्मीर को विकास की बड़ी सौगात देंगे। केन्द्रीय मंत्री शिवराज दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशनके तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 4568.23 करोड़ रुपये केंद्रांश भी जारी करेंगे।

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी तथा अन्य वरिष्ठ गणमान्य भी उपस्थित रहेंगे।

सोमवार को कृषि मंत्रालय ने जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2000 से अब तक पीएमजीएसवाई के अंतर्गत 3,328 सड़कों का निर्माण, 19,851 किलोमीटर सड़क नेटवर्क का सृजन और 257 पुलों का निर्माण हो चुका है। अब पीएमजीएसवाई-IV, बैच-II के अंतर्गत 330 नई सड़कों, 1,600 किलोमीटर सड़क लंबाई, 3,550 करोड़ रुपये के परियोजना मूल्य और 363 बस्तियों को लाभ पहुंचाने वाली योजना क्षेत्रीय विकास को नई ऊंचाई देने जा रही है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र के हिस्से की राशि जारी करेंगे। यह कदम महिला स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण आजीविका संवर्धन, सामुदायिक संस्थाओं की मजबूती और गांवों में स्वरोजगार आधारित आर्थिक गतिविधियों को और अधिक बल देने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि द्वारा भव्य जागरूकता रैली

जम्मू, 27 अप्रैल। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के अंतर्गत भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के बच्चों द्वारा एक भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ आदरणीय मिंगा शेरपा, उपायुक्त उधमपुर, के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस रैली में कुल 196 स्काउट्स एवं गाइड्स ने अपने एस्कॉर्ट शिक्षकों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में भाग लेने वाले प्रमुख विद्यालयों में केसी गुरुकुल पब्लिक स्कूल, कॉमन पब्लिक स्कूल हायर सेकेंडरी उधमपुर, अमरदीप हाई स्कूल जखानी, हैप्पी मॉडल स्कूल हायर सेकेंडरी, भारतीय विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय नैनसू, एवरेस्ट पब्लिक हाई स्कूल तथा एवरग्रीन पब्लिक स्कूल शामिल रहे।

पूरी रैली का संचालन प्रभारी राज्य आयोजन आयुक्त वीना शर्मा तथा जिला आयोजन आयुक्त राकेश शर्मा के निर्देशन में किया गया।

रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण पूरक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न नारों के माध्यम से स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया।

रैली के अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा बच्चों के लिए रिफ्रेशमेंट स्टॉल भी लगाए गए। उपस्थित जनों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि जम्मू कश्मीर प्रांत शैक्षिक संस्थान प्रमुख राकेश शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी को स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण का संकल्प दिलाया।

उधर विश्व पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) के उपलक्ष्य में शिशु मॉडल हाई स्कूल के बच्चों ने अद्भुत प्रस्तुतियां देकर अर्थ दिवस का महत्व समझाया और और स्कूल की मुख्य अध्यापिका प्रीति शर्मा व स्कूल के स्टाफ ने बच्चों के साथ मिलकर अपनी धरती व पर्यावरण को बचाए रखने की प्रतिज्ञा ली द्य

इसी अवसर पर ज़िला उधमपुर के हायर सेकेंडरी स्कूल चेनानी तथा हायर सेकेंडरी स्कूल कुद में विद्यार्थियों के लिए दो जगहों पर 'पर्यावरण पाठशालाओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

एपेक्स बॉडी ने अमित शाह से लेह यात्रा के दौरान सीधी और निर्णय-स्तरीय वार्ता का किया आह्वान

लेह, 27 अप्रैल (हि.स.)। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अगले सप्ताह होने वाली यात्रा के दौरान उनके साथ सीधी निर्णय-स्तरीय वार्ता का आह्वान किया है।

जलेबी की यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को घोषणा की कि गृह मंत्रालय ने 22 मई को आंदोलनकारी लद्दाख समूहों के प्रतिनिधियों के साथ राजनीतिक बातचीत के लिए उप-समिति की बैठक बुलाने का फैसला किया है। आखिरी बैठक फरवरी की शुरुआत में हुई थी। एलएबी, कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों सहित अपने चार सूत्री एजेंडे पर 2021 से केंद्र के साथ बातचीत में लगा हुआ है।

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एलएबी ने अपनी एक बैठक में 22 मई को उप-समिति की बैठक करने का फैसला लिया है। इसके साथ गृह मंत्री की आगामी लद्दाख यात्रा (30 अप्रैल को) को लेकर विस्तार से चर्चा की, क्योंकि लद्दाख का मुद्दा पिछले पांच से छह वर्षों से लटका हुआ है और इसे हल करने की जरूरत है। वांगचुक ने कहा कि इस यात्रा को 'सार्थक और रचनात्मक बातचीत की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अगर यह बैठक फरवरी में आखिरी बैठक के चार महीने बाद 22 मई को होती है और अभी भी कोई निर्णय नहीं होता है, तो अगले चार महीने बीत सकते हैं और पूरा साल बिना किसी समाधान के गुजर सकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए हमारे सभी सदस्यों ने सुझाव दिया है कि चूंकि गृह मंत्री खुद लद्दाख का दौरा कर रहे हैं, इसलिए उन्हें लैब और केडीए के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करनी चाहिए।

वांगचुक ने कहा कि लद्दाख में ऐसी बैठक आयोजित करना संभव और सार्थक दोनों होगा। उन्होंने कहा कि वास्तव में दिल्ली में पहले की बैठकों में भाग लेने वाले हमारे कुछ सदस्यों ने यह भी साझा किया है कि उनके साथ बातचीत के दौरान गृह मंत्री ने लद्दाख के नेतृत्व को आश्वासन दिया था कि वह व्यक्तिगत रूप से ऐसी बैठकों की अध्यक्षता करेंगे और यहां तक कि उन्हें लद्दाख में आयोजित करने पर भी विचार करेंगे एलएबी के नेता अशरफ बरचा ने कहा कि उनका विचार है कि उप-समिति स्तर पर चर्चा के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं बचा है, क्योंकि अब तक सभी मामलों पर पहले ही विस्तृत चर्चा हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब निर्णय लेने का समय है। हमारा मानना है कि चूंकि गृह मंत्री लद्दाख का दौरा कर रहे हैं, तो इस अवसर का उपयोग किया जाना चाहिए।

लाइब्रेरी-कम-कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन

जम्मू, 27 अप्रैल। समाज के गरीब और वंचित वर्गों को समर्पित एक लाइब्रेरी-कम-कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन जम्मू के कृष्णा नगर स्थित गुरु रविदास गुरुद्वारे में किया गया। यह उद्घाटन ऑल J&K श्री गुरु रविदास सभा द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इस सेंटर का उद्घाटन NHPC के कार्यकारी निदेशक राम स्वरूप ने किया, जो कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वहीं, KVIC के निदेशक राजेश कुमार विशिष्ट अतिथि थे, जबकि संजय कुमार भसीन ने विशेष अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

यह सुविधा NHPC लिमिटेड के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्थापित की गई है। इसका उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को लाइब्रेरी और कंप्यूटर सेवाओं तक मुफ्त पहुंच

प्रदान करना है। इस अवसर पर यह भी घोषणा की गई कि 3 मई को बुद्ध-अंबेडकर जयंती मनाई जाएगी, जिसके तहत एक रक्तदान शिविर का आयोजन होगा और मुफ्त डिस्पेंसरी सेवाओं की शुरुआत की जाएगी।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए प्रो. संजय कुमार भसीन ने बताया कि NHPC ने इस परियोजना के लिए धनराशि की पहली किस्त स्वीकृत कर दी है। उन्होंने राजेश कुमार के नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा सूक्ष्म और लघु व्यावसायिक उद्यमों को बढ़ावा देने वाली योजनाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने राम स्वरूप को 30 अप्रैल को होने वाली उनकी सेवानिवृत्ति के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राजेश कुमार ने राम स्वरूप के नेतृत्व में शुरू की गई सामाजिक पहलों की सराहना की और लोगों को उद्यमिता के लिए KVIC की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने जरूरतमंदों को बिना किसी परेशानी के सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया।

'राष्ट्रविरोधी तत्वों और जमीनी कार्यकर्ताओं पर कड़ी निगरानी रखने का एसएसपी ने दिया निर्देश

जम्मू, 27 अप्रैल (हि.स.)। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल ने सुरक्षा बलों की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और उन्हें रियासी जिले में शांति भंग होने से रोकने के लिए राष्ट्रविरोधी तत्वों और जमीनी कार्यकर्ताओं पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार जिले के पहाड़ी क्षेत्र के दौरे के दौरान रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुकुंद तिबरेवाल ने अरनास उपमंडल के थानोले, नारकोट, लाधा, पनासा और चकलहावाला में पुलिस चौकियों, पुलिस इकाइयों और अल्पसंख्यक चौकियों का निरीक्षण किया।नारकोट में तैनाती के तरीकों और परिचालन रणनीतियों की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने कर्मियों को क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने के लिए लंबी दूरी की गश्त के लिए एक संरचित रोस्टर बनाए रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने प्रौद्योगिकी आधारित पुलिसिंग के उपयोग और स्थानीय समुदायों और ग्राम रक्षा गार्डों के साथ बेहतर समन्वय पर भी जोर दिया, विशेष रूप से दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में।बयान में कहा गया है कि लाधा और चकलहावाला चौकियों पर उन्होंने क्षेत्र नियंत्रण अभ्यासों की समीक्षा की और स्थानीय सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने के लिए आसपास के गांवों में ग्राम रक्षा गार्डों के साथ समन्वय का आकलन किया।

थानोले पुलिस चौकी के निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने मालखाना, अभिलेख कक्ष और अन्य परिचालन इकाइयों की समीक्षा की। बयान में कहा गया है कि उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद से संबंधित पिछली घटनाओं का विश्लेषण करने और शांति भंग होने से रोकने के लिए राष्ट्रविरोधी तत्वों और जमीनी कार्यकर्ताओं (ओजीडब्ल्यू) पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।

पुलिस ने कहा कि यह दौरा जिले में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और निवासियों, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिल्ली में भी रामनगर दुर्घटना की स्मृति में दो मिनट का मौन

नई दिल्ली, जम्मू, 27 अप्रैल। डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन की कोर कमेटी ने नई दिल्ली में आयोजित एक बैठक में रामनगर तहसील के कगहोट गांव, जिला उधमपुर (जम्मू एवं कश्मीर) में हुए दुखद बस हादसे में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा। यह दुर्घटना 20 अप्रैल की सुबह हुई थी।

बैठक की अध्यक्षता समिति के वरिष्ठतम सदस्य श्री जगदीश शर्मा ने की। उन्होंने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई अपूर्णीय जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया। उपस्थित सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभा में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा उनके परिवारों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री कुलबीर सिंह ने दुर्घटना के कारणों की उच्चस्तरीय जांच को लेकर एसोसिएशन की मांग को पुनः दोहराया, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति, केवल रामनगर में ही नहीं बल्कि पूरे जम्मू क्षेत्र में भी रोकी जा सके। श्री सुरजीत सिंह गुलेरिया ने भी पर्वतीय एवं दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

श्री सतपाल शर्मा ने मांग की कि महानगरों में 10-15 वर्षों के बाद अनुपयोगी घोषित की गई बसों को पहाड़ी क्षेत्रों में चलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

Government of Union Territory of Jammu and Kashmir
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION NAGROTA

Sh. Rivab Jamwal D-Class No:933-37 dated 22/4/2026
S/o Sh.Jai Singh
H No F-110 Gurah Bakshi nagar,
Tesh & District Jammu.

Subject: -Termination of work for non-completion and debar thereof.
i) Macadamization of Road from Panjgrain to Pangali Balance work under C&T 2025-26.
ii) Macadamization of Road from Circular Road at Kore Jagir Nagrotaunder C&T 2025-26.

In reference to the subject cited above and Engineering Manual 2020 chapter 21 the work LOA issued to the contractor is hereby ordered to be cancelled in reference to the J&K Engineering PWD Manual 2020, whereinWork has been allottedvide No 5792-93 dated 15-11-2025 Sh. Rivab Jamwal D-ClassS/o Sh.Jai Singh H No F-110 Gurah Bakshi Nagar with registration no SE/PWD/R&B-JK/DEE-489/2021-22 dated 27-05-2023 is here by terminated in reference to the terms and condition of the contract coupled with the fact that the contractor had submitted in written he cannot complete the work.
Now therefore in terms of PWD NIT conditions and J&K Engineering Manual 2020, committee members are of the view Sh. Rivab Jamwal D-Class
S/o Sh.Jai SinghH No F-110 Gurah Bakshi Nagarregistration no SE/PWD/R&B-JK/DEE-489/2021-22 dated 27-05-2023 is hereby debarred to participate in this office for the period of Oneyear in terms of GFR Rule 151 and the work be retendered at your risk and cost, amount if any will be deducted from your dues in the department.

DIP/J-1218/26
Dtd: 27-4-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD(R&B) Division
Nagrota

संपादकीय

लू के दौरान जानवरों की रक्षा करें

जैसा कि India Meteorological Department ने चेतावनी जारी की है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में हीटवेव की स्थिति बनने की संभावना है, ऐसे में जम्मू के दयालु लोगों के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वे पक्षियों, कुत्तों, बंदरों और आवारा पशुओं को आने वाली गर्मी से राहत देने में अपनी भूमिका निभाएं।

मई का महीना अभी कुछ दिन दूर है, लेकिन जम्मू में तापमान पहले ही 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है, जिससे बेजुबान जानवरों के लिए इस भीषण गर्मी से निपटना बहुत मुश्किल हो गया है।

इसलिए यह जरूरी है कि लोग राजस्थान की परंपरा से प्रेरणा लें, जहां लोग गर्मियों में अलग-अलग जगहों पर पानी के बर्तन रखते हैं ताकि पक्षियों और जानवरों को पानी मिल सके। पहले जम्मू में भी कई जगहों पर लोगों ने घोड़ों और गायों के लिए खुले पानी के टैंक बनाए थे, लेकिन समय के साथ यह परंपरा कम हो गई है।

यह समझना जरूरी है कि आज के समय में पक्षी और जानवर पानी के लिए काफी हद तक इंसानों पर निर्भर हैं, क्योंकि प्राकृतिक जल स्रोत कम होते जा रहे हैं। इसलिए हर घर की छत और आसपास की जगहों पर साफ पानी से भरे बर्तन रखने चाहिए ताकि कोई भी पक्षी, कुत्ता, गाय या बंदर प्यासा न रहे।

हमारे धार्मिक ग्रंथ भी सभी जीवों के प्रति दया और अहिंसा का संदेश देते हैं और दूसरों के दुख को कम करने के लिए प्रेरित करते हैं। गर्मियों में जब प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाते हैं, तब यह और भी जरूरी हो जाता है कि हम प्रकृति के लिए समय निकालें और जानवरों के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराएं।

खुले स्थानों पर पानी के बर्तन रखना जानवरों को हीटवेव से लड़ने और स्वस्थ रहने में मदद करता है। जम्मू के लोगों के लिए यह भी जरूरी है कि वे इस मुद्दे पर आपस में चर्चा करें और जागरूकता फैलाएं, ताकि यह क्षेत्र उन सभी जीवों के लिए पानी से समृद्ध बन सके जो अपनी जरूरतों के लिए इंसानों पर निर्भर हैं, क्योंकि इंसानों ने अपने विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक उपयोग से उनके संसाधनों को कम कर दिया है।

वाशिंगटन हिल्टन में इतिहास की पुनरावृत्ति या अमेरिकी लोकतंत्र की कमजोरी?

डॉ. प्रियंका सौरभ

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के प्रतिष्ठित वाशिंगटन हिल्टन होटल में शनिवार रात हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को एक बार फिर चौंका दिया। यह केवल सुरक्षा संबंधी घटना नहीं है, बल्कि एक ऐसा क्षण है जिसने इतिहास, राजनीति और लोकतंत्र—तीनों को एक साथ खड़ा कर दिया। व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान अचानक गोलियों की आवाज गूंजी, तो वहां मौजूद हजारों लोगों के लिए यह किसी भयावह स्वप्न से कम नहीं रहा। इस कार्यक्रम में डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया ट्रंप और जेडी वेंस जैसे शीर्ष नेता उपस्थित थे।

कुछ ही पलों में उत्सव का माहौल भय और अराजकता में बदल गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस की तत्परता ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया, लेकिन इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए, जिनका उत्तर सरल नहीं है।

इस घटना की सबसे चौंकाने वाली और साथ ही डरावनी बात यह है कि यह पहली बार नहीं हुआ। यही होटल, जिसे कभी हिंकली हिल्टन के नाम से भी जाना जाता रहा है, पहले भी अमेरिकी इतिहास की एक बड़ी हिंसक घटना का गवाह रह चुका है। वर्ष 1981 में इसी स्थान के बाहर तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जॉन हिंकली जूनियर ने गोली चलाई थी।

हमले में रीगन गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनके प्रेस सचिव जेम्स ब्रैडी को स्थायी रूप से विकलांगता का सामना करना पड़ा । उस समय भी यही सवाल उठे थे—सुरक्षा में चूक कैसे हुई? और आज, लगभग 45 वर्ष बाद, वही प्रश्न फिर हमारे सामने खड़ा है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब दुनिया कहीं अधिक जटिल हो चुकी है और खतरों के स्वरूप भी बदल चुके हैं।

हिल्टन में मौजूद लोगों के अनुसार सब कुछ सामान्य ढंग से चल रहा था। हंसी-मजाक, भाषण, मीडिया और राजनीति का मिश्रण—यह रात्रिभोज हमेशा से अमेरिकी लोकतंत्र की एक अनूठी परंपरा रहा है। लेकिन अचानक हुई गोलीबारी ने इस परंपरा को झकझोर कर रख दिया। लोग मेजों के नीचे छुप गए। अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण नियंत्रण से बाहर होता प्रतीत हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई बड़ा जान-माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक सुरक्षा चूक नहीं है, बल्कि यह अमेरिकी समाज में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी संकेत देती है।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं। इस संदर्भ में वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना एक अलग घटना नहीं लगती, बल्कि एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा प्रतीत होती है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति भी इस पूरे परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उनकी अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन जैसी नीतियों ने जहां एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया, वहीं दूसरी ओर समाज के एक हिस्से में असंतोष और विरोध भी पैदा किया। मीडिया के साथ उनका टकराव, फेक न्यूज जैसे शब्दों का प्रयोग और राजनीतिक विरोधियों के प्रति तीखी भाषा—इन सबने सामाजिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। ऐसे में जब कोई हिंसक घटना घटित होती है, तो वह केवल एक व्यक्ति का कृत्य नहीं प्रतीत होती, बल्कि उस व्यापक सामाजिक और राजनीतिक वातावरण का परिणाम लगती है जिसमें असहमति को अक्सर शत्रुता के रूप में देखा जाने लगा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को विश्व की सबसे सक्षम सुरक्षा एजेंसियों में गिना जाता है। 1981 की घटना के बाद इसमें कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए—अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग, अधिक प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी, और उन्नत निगरानी प्रणाली। फिर भी इस प्रकार की घटना का होना यह दर्शाता है कि भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक आयोजनों में जोखिम को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। आज के समय में खतरे केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं आते, बल्कि वे मानसिक अस्थिरता, ऑनलाइन कट्टरता और व्यक्तिगत निराशा जैसे कारकों से भी जुड़े होते हैं।

इस घटना का एक और महत्वपूर्ण पहलू है — डिजिटल युग और सोशल मीडिया की भूमिका। आज विचारों का प्रसार अत्यंत तेज गति से होता है। गलत जानकारी, षड्यंत्र सिद्धांत और कट्टरपंथी विचारधाराएं कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच जाती हैं। जहां 1981 में जॉन हिंकली जूनियर पर फिल्मों के प्रभाव की चर्चा हुई थी, वहीं आज के समय में हमलावरों पर डिजिटल दुनिया और सोशल मीडिया का प्रभाव अधिक देखा जाता है। यह बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत करता है, क्योंकि अब खतरे की पहचान करना और उसे समय रहते रोकना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

वैश्विक स्तर पर भी इस घटना के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र माना जाता है, और वहां होने वाली घटनाएं अन्य देशों के लिए संकेत का काम करती हैं।

भारत जैसे देशों के लिए जहां बड़े पैमाने पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, यह एक चेतावनी है। केवल तकनीकी रूप से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना पर्याप्त नहीं है, इसके साथ-साथ सामाजिक सौहार्द, संवाद और आपसी विश्वास को भी बढ़ावा देना आवश्यक है।

इस घटना ने एक गहरा प्रश्न भी उठाया है—क्या लोकतंत्र वास्तव में सुरक्षित है? लोकतंत्र केवल चुनाव और संस्थाओं का नाम नहीं है, बल्कि यह एक विचारधारा है जिसमें असहमति को स्वीकार किया जाता है और संवाद को प्राथमिकता दी जाती है। जब समाज में संवाद की जगह टकराव ले लेता है तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है। वाशिंगटन हिल्टन की यह घटना इसी संभावित कमजोरी की ओर संकेत करती है।

इसके सामाजिक निहितार्थ भी अत्यंत गहरे हैं। मीडिया, जो इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र होता है, स्वयं इस घटना का हिस्सा बन गया। पत्रकार, जो सत्ता से प्रश्न पूछने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए वहां उपस्थित थे, अचानक स्वयं एक संकट का सामना करने लगे। यह स्थिति हमें यह सोचने पर विवश करती है कि क्या प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी भूमिका को लेकर समाज में बढ़ती असहिष्णुता भी इस प्रकार की घटनाओं को जन्म दे रही है।

पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में वैचारिक ध्रुवीकरण तेजी से बढ़ा है। 6 जनवरी कैपिटल दंगा जैसी घटनाएं यह दिखा चुकी हैं कि राजनीतिक मतभेद अब केवल बहस और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रह गए हैं। वे सड़कों पर, संस्थानों में और अब उच्च-स्तरीय आयोजनों में भी खुलकर सामने आ रहे हैं।

अंततः, यह घटना केवल अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक चेतावनी है। इतिहास स्वयं को दोहराता है, लेकिन हर बार वह एक नया संदेश भी देता है। 1981 की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हुए थे।

2026 की इस घटना के बाद संभवतः और व्यापक बदलावों की आवश्यकता होगी। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन तकनीक या सुरक्षा में नहीं, बल्कि हमारी सोच में होना चाहिए। जब तक समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोक पाना कठिन रहेगा।

वाशिंगटन हिल्टन की यह रात केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक दर्पण है—जिसमें हम लोकतंत्र की शक्ति और उसकी कमजोरियों दोनों को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। यह हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून और सुरक्षा एजेंसियों के भरोसे नहीं की जा सकती, बल्कि यह नागरिकों की सोच, उनके व्यवहार और उनके मूल्यों पर भी निर्भर करती है। यदि हम इस संदेश को समझ लें, तो शायद भविष्य में इतिहास को स्वयं को दोहराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कौन कर रहा है अमेरिकी वैज्ञानिकों का पीछा?

मुकुंद

अमेरिका में साल 2023 से संवेदनशील अनुसंधान कार्यक्रम से जुड़े कम से कम 10 वैज्ञानिकों की मौत हो चुकी या राह चलते गायब हो चुके हैं। इनमें से कुछ का तो कत्ल भी किया गया। गायब हो रही देश की बौद्धिक संपदा को जमीन निगल गई या आसमान खा गया, इसका सीधा जवाब किसी के पास भी नहीं है। इनका संबंध अमेरिका न्यूक्लियर और एयरोस्पेस रिसर्च से रहा है। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या इन घटनाओं के बीच कोई आपसी संबंध है? इस समय एफबीआई जवाब की तलाश में फाइलों की धूल झाड़ रही है। अमेरिकी मीडिया के खुलासे के बाद संघीय एजेंसी ने कहा कि जवाब खोजने के लिए ऊर्जा विभाग, युद्ध विभाग और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर जांच की जा रही है।

सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली हाउस ओवरसाइट कमेटी ने अलग से जांच करने का फैसला लिया है। कमेटी का कहना है कि इन लोगों की पहुंच संवेदनशील वैज्ञानिक जानकारियों तक थी। नासा ने कहा कि मारे गए या गायब हो चुके वैज्ञानिकों के संबंध में संबंधित एजेंसियों के साथ जांच में समन्वय और सहयोग कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे काफी गंभीर मामला बताया है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के चेयरमैन जेम्स कोमर का मानना है हत्या, मौत या गायब होना महज इत्तेफाक नहीं हो सकता। कांग्रेस भी चिंतित है। इस कमेटी के सदस्य डेमोक्रेट जेम्स वॉकिनशॉ ने तो यहां तक कहा है कि इन मामलों के पीछे कोई सुनियोजित साजिश या मकसद छिपा है।

एफबीआई ने 30 जुलाई, 2023 को 59 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले नासा के वैज्ञानिक माइकल डेविड हिक्स की मौत को भी जांच के दायरे में लिया है। उन्होंने नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) में लगभग 25 साल तक काम किया था। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मुताबिक, लेबोरेटरी में करियर के दौरान उन्होंने धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर विशेषज्ञता हासिल की थी। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया। उनकी बेटी जूलिया हिक्स यह जानकर हैरत में है कि पिता की मौत पर रहस्य का पर्दा पड़ा है। एजेंसी ने फ्रैंक माइवाल्ड और मोनिका रेजा की मौत के कारणों को भी सामने लाने का फैसला किया है।

कहते हैं कि इसके बाद के सालों में जेपीएल से जुड़े कई और लोग भी मारे गए या लापता हो गए। अंतरिक्ष अनुसंधान के विशेषज्ञ फ्रैंक माइवाल्ड की 2024 में लॉस एंजिल्स में 61 साल की आयु में मौत हो चुकी है। 60 साल की एयरोस्पेस इंजीनियर मोनिका रेजा जून 2025 में लॉस एंजिल्स के एक जंगल में हाइकिंग करते समय लापता हो गई हैं। हाउस ओवरसाइट कमेटी ने बताया कि रेजा नासा की जेपीएल के मटीरियल्स प्रोसेसिंग ग्रुप की डायरेक्टर थीं। एयर फोर्स के रिटायर्ड मेजर जनरल विलियम नील मैककैसलैंड (68) लापता हैं। उन्हें इसी साल 27 फरवरी को अल्बुकर्क (न्यू मैक्सिको) में अपने घर से बाहर निकलते हुए देखा गया था। वह अपना फोन, चश्मा और पहनने वाले डिवाइस घर पर ही छोड़ गए थे। मैककैसलैंड पेंटागन के कुछ सबसे उन्नत एयरोस्पेस शोध कार्यों के केंद्र में थे। उन्होंने एक समय राइट पैटर्सन एयर फोर्स बेस स्थित एयर फोर्स रिसर्च लैबोरेटरी की कमान भी संभाली थी।

एफबीआई के एजेंट उन्हें सारी दुनिया में तलाश रहे हैं। कहते हैं कि इस बेस पर कथित रोसवेल घटना से जुड़ा किसी बाहरी ग्रह का मलबा रखा है। उनकी पत्नी सुसान मैककैसलैंड विल्करसन ने फेसबुक पोस्ट में माना है कि यह सच है कि नील का यूएफओ समुदाय के साथ कुछ समय के लिए जुड़ाव रहा। यह जुड़ाव किसी के लिए नील को अगवा करने का कारण नहीं हो सकता।

न्यू मेक्सिको के प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी से जुड़े दो वैज्ञानिक मेलिसा कैसियस और एंथनी चावेज भी लापता हैं। न्यू मैक्सिको स्टेट पुलिस के अनुसार, 53 वर्षीय कैसियस को आखिरी बार जून 2025 में न्यू मैक्सिको के तालपा के पास एक हाईवे पर देखा गया था। वह अपना सामान घर पर ही छोड़ गई थीं और उनका फोन फैक्टरी-रीसेट किया हुआ था। इससे पहले मई में 78 वर्षीय चावेज लापता हो गए थे। वह इसी लेबोरेटरी में फोरमैन थे।हाल के महीनों में कई जाने-माने वैज्ञानिकों की हत्या ने भी अटकलों को हवा दी है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नूनो एफ.जी. लोरेइरो की दिसंबर 2025 में बोस्टन के पास उनके

एफबीआई ने 30 जुलाई, 2023 को 59 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कहने वाले नासा के वैज्ञानिक माइकल डेविड हिक्स की मौत को भी जांच के दायरे में लिया है। उन्होंने नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) में लगभग 25 साल तक काम किया था। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी के मुताबिक, लेबोरेटरी में करियर के दौरान उन्होंने धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर विशेषज्ञता हासिल की थी। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया।

घर पर एक बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। 47 वर्षीय भौतिक विज्ञानी और फ्यूजन वैज्ञानिक लोरेइरो संस्थान के प्लाज्मा साइंस एंड फ्यूजन सेंटर का नेतृत्व कर रहे थे। उनका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा तकनीक और अन्य शोध कार्यों को आगे बढ़ाना था। खगोल भौतिक विज्ञानी कार्ल ग्रिलमेयर की इसी साल फरवरी में 67 साल की आयु में लॉस एंजिल्स के बाहर इलाके में उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में काम करते थे। नासा के साथ मिलकर काम करने वाले ग्रिलमेयर सौर मंडल के बाहर के ग्रहों पर पानी की खोज से जुड़े अपने अध्ययनों के लिए मशहूर रहे हैं।

साल 2024 में अमेरिकी वायुसेना के पूर्व खुफिया अधिकारी 39 वर्षीय मैथ्यू जेम्स सुलिवन की मौत आज भी रहस्य बनी हुई है। उन्होंने यूएफओ से जुड़े एक संघीय व्हिसलब्लोअर मामले में गवाही देने से पहले आत्महत्या कर ली थी। इस बीच 2022 में हुई एमी एस्क्रिडेज की मौत ने लोगों का ध्यान खींचा है। 34 वर्षीय एस्क्रिडेज ने हंट्सविले (अलबामा) में इंस्टीट्यूट फ़ॉर एग्ज़ॉटिक साइंस की स्थापना की थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इन सभी घटनाओं पर से डेढ़ हफ्ते में पर्दा उठने की उम्मीद जताई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि सच को सामने लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल का मानना है कि इन मामलों में विदेशी कनेक्शन की तलाश की जा रही है। काश ऐसा हो जाए।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

क्या हम कृत्रिम मेधा के प्रयोग से उत्पन्न संकटों के लिए तैयार हैं?

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो कृत्रिम मेधा का प्रभाव रोजगार के बाजारों पर अत्यंत गहरा और बहुआयामी होने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की भविष्य की नौकरियों से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के कारण अगले दशक में करोड़ों नौकरियों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन आएगा।मानव सभ्यता के इतिहास में तकनीकी क्रांतियों ने सदैव हमारे अस्तित्व की दिशा को बदला है, किंतु वर्तमान में कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जो तीव्र विस्तार हम देख रहे हैं, वह पूर्ववर्ती सभी आविष्कारों से मौलिक रूप से भिन्न है। यह केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक समानांतर बुद्धिमत्ता है जो हमारे सोचने, निर्णय लेने और सामाजिक ताने-बाने को समझने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती दे रही है। आज जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि क्या हम इस तकनीक से उत्पन्न संकटों के लिए तैयार हैं, तो उत्तर केवल तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि हमारी नैतिक, कानूनी और सामाजिक तैयारियों में छिपा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जेनेरेटिव एआई के उदय ने सूचनाओं की सत्यता पर एक गहरा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। डीपफेक तकनीक और परिष्कृत एल्गोरिदम के माध्यम से जिस प्रकार से भ्रामक सूचनाएं या मिसइन्फॉर्मेशन फैलाई जा रही हैं, उसने न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित किया है, बल्कि व्यक्तिगत गरिमा को भी जोखिम में डाल दिया है। अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार, पिछले 2 वर्षों में एआई-जनित भ्रामक सामग्रियों में 900 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थिति दर्शाती है कि हमारी कानूनी प्रणालियां और डिजिटल साक्षरता के मानक इस गति का मुकाबला करने में फिलहाल अक्षम सिद्ध हो रहे हैं।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो कृत्रिम मेधा का प्रभाव रोजगार के बाजारों पर अत्यंत गहरा और बहुआयामी होने वाला है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की भविष्य की नौकरियों से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के कारण अगले दशक में करोड़ों नौकरियों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। जहाँ एक ओर यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और नए प्रकार के व्यवसायों को जन्म देने की क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह निम्न और मध्यम कौशल वाले श्रमिकों के लिए एक बड़ा विस्थापन संकट भी पैदा कर रही है। क्या हमारी शिक्षा प्रणालियां और कौशल विकास कार्यक्रम इस गति से परिवर्तित हो रहे हैं कि वे भविष्य की कार्यशक्ति को इस नई व्यवस्था के अनुकूल बना सकें? यह प्रश्न अनुत्तरित है क्योंकि विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन आज भी एक कठोर वास्तविकता है। जब तक हम एक समावेशी तकनीकी ढांचे का निर्माण नहीं करते, तब तक कृत्रिम मेधा केवल वैश्विक असमानता को बढ़ाने का एक माध्यम बनकर रह जाएगी। इसके अतिरिक्त, एआई मॉडल्स के भीतर मौजूद एल्गोरिथमिक बायस या पक्षपात एक और बड़ा संकट है, जो ऐतिहासिक डेटा के आधार पर लिंग, जाति और राष्ट्रीयता के प्रति पूर्वाग्रहों को अनजाने में सुदृढ़ कर रहा है।तकनीकी सुरक्षा और स्वायत्त हथियारों का मुद्दा कृत्रिम मेधा के सबसे भयावह संकटों में से एक है। लीथल ऑटोनॉमस वेपन्स सिस्टम्स या स्वायत्त घातक हथियार प्रणालियों का विकास वैश्विक शांति के लिए एक नई चुनौती पेश कर रहा है। जब युद्ध के मैदान में जीवन और मृत्यु का निर्णय एक एल्गोरिदम द्वारा लिया जाने लगेगा, तो मानवीय उत्तरदायित्व और युद्ध के अंतरराष्ट्रीय कानूनों का क्या होगा? संयुक्त राष्ट्र और कई वैश्विक मानवाधिकार संगठनों ने इस पर नियंत्रण की अपील की है, लेकिन महाशक्तियों के बीच एआई की प्रतिस्पर्धा ने एक नई डिजिटल शीत युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी है। यह तकनीकी रेस हमें एक ऐसे बिंदु पर ले जा सकती है जहाँ नियंत्रण की लगाम मानव के हाथ से निकलकर मशीनों के पास चली जाए। सुरक्षा का अर्थ केवल भौतिक हथियारों से नहीं है, बल्कि डेटा की गोपनीयता और एल्गोरिदम के माध्यम से किए जाने वाले बिहेवियरल मैनिपुलेशन या व्यवहारिक हेरफेर से भी है। बड़ी तकनीकी कंपनियाँ जिस प्रकार डेटा का एकत्रीकरण कर रही हैं, वह व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता को एक संकीर्ण घेरे में बंद कर रहा है।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी कृत्रिम मेधा की तैयारी पर प्रश्न उठना लाजिमी है। विशाल एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने के लिए अत्यधिक ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। एक शोध के अनुसार, एक बड़े लैंग्वेज मॉडल को प्रशिक्षित करने में उतनी कार्बन फुटप्रिंट पैदा होती है, जितनी पांच कारें अपने पूरे जीवनकाल में उत्सर्जित करती हैं। जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझती दुनिया के लिए यह एक अतिरिक्त भार है। इसलिए, जब हम एआई के संकटों की बात करते हैं, तो हमें सस्टेनेबल एआई या संवहनीय कृत्रिम मेधा की दिशा में भी ठोस कदम उठाने होंगे। क्या हमारे पास ऐसी नीतियां हैं जो इन कंपनियों को पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी बना सकें? वर्तमान में अधिकांश विनियमन केवल लाभ और तकनीकी श्रेष्ठता पर केंद्रित हैं, जबकि पारिस्थितिक संतुलन को हाशिए पर धकेल दिया गया है।

निष्कर्षतः कृत्रिम मेधा के संकटों के लिए हमारी तैयारी अभी भी प्रारंभिक और खंडित अवस्था में है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरोपीय संघ एआई अधिनियम जैसे प्रयास एक सकारात्मक दिशा दिखाते हैं, लेकिन यह वैश्विक स्तर पर एक समान मानकों के बिना अपर्याप्त हैं। हमें एक ऐसे वैश्विक गठबंधन की आवश्यकता है जो न केवल तकनीक के विकास की निगरानी करे, बल्कि मानवीय मूल्यों, नैतिकता और न्याय को इसके केंद्र में रखे। तैयारी का अर्थ केवल उन्नत फायरवॉल बनाना नहीं है, बल्कि एक जागरूक समाज का निर्माण करना है जो सत्य और मिथ्या के बीच अंतर कर सके। कृत्रिम मेधा एक शक्तिशाली लहर की तरह है, जिसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन यदि हम इसके लिए सही बांध और नहरें तैयार नहीं करते, तो यह हमारी सामाजिक व्यवस्था के तटबंधों को नष्ट कर सकती है। हमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ अपनी नैतिक चेतना को भी उन्नत करना होगा, क्योंकि अंततः तकनीक का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि उसका विनाश। समय कम है और चुनौतियां अपार हैं, अतः भविष्य की तैयारी के लिए हमें आज ही अपनी प्राथमिकताओं को पुनः परिभाषित करना होगा।

– डॉ. शैलेश शुक्ला

वैश्विक समूह संपादक, सृजन संसार अंतरराष्ट्रीय पत्रिका समूह

सलाहकार संपादक, नईदुनिया

आशियाना, लखनऊ – 226012, उत्तर प्रदेश

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साभार : प्रभासाक्षी

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान महिला टीम की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे महिला टीम के विरुद्ध आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज कराची (पाकिस्तान) में चार मई से शुरू होगी। वनडे के बाद तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी और इसके लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। आईसीसी के अनुसार मेजबान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। उनकी कप्तानी में हाल ही में टीम को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध वनडे और टी-20 दोनों सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। 15 सदस्यीय टीम में मोमिना रियासत को पहली बार शामिल किया गया है। जिम्बाब्वे की टीम सपेद गेंद की सीरीज के लिए पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी और 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद वह 30 अप्रैल से 3 मई तक करांची के नेशनल बैंक स्टेडियम में अभ्यास करेगी। दोनों टीमों के बीच दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 6 और 9 मई को खेला जाएगा, जिसके बाद 12 मई से तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज शुरू होगी। सभी मैच कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में खेले जाएंगे।

ईशान किशन ने पैट कमिंस की वापसी पर जताई खुशी, बताया शानदार कप्तान

जयपुर। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि वह एक शानदार कप्तान हैं और उनके आने से टीम की गेंदबाजी को अतिरिक्त मजबूती मिली है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से मात दी। शनिवार रात खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने छह विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद ने 18.3 ओवर में पांच विकेट खोकर 229 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मुकाबले में नियमित कप्तान पैट कमिंस चोट से उबरकर टीम में लौटे। उनकी अनुपस्थिति में ईशान किशन टीम की अगुवाई कर रहे थे। किशन ने इस मैच में 31 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 74 रन की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच के बाद ईशान ने कहा कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी और टीम की कोशिश राजस्थान को 230 रन से कम पर रोकने की थी, जिसमें हम सफल रहे। कप्तानी के अनुभव पर उन्होंने कहा कि सात मैचों तक टीम का नेतृत्व करना मजेदार रहा। कमिंस की वापसी से टीम को गेंदबाजी में अतिरिक्त ताकत मिली है।

एशियन बीच गेम्स : महिला कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड, पुरुष टीम भी फाइनल में पहुंची

सान्या । भारतीय महिला बीच कबड्डी टीम ने सोमवार को यहां एशियन बीच गेम्स के फाइनल में श्रीलंका को आसानी से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, पुरुष टीम ने भी फाइनल का टिकट कटा लिया है। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन बीच गेम्स चैंपियन श्रीलंका को 47-31 से हराया। यह एशियन बीच गेम्स के इस संस्करण में भारत का पहला गोल्ड है। इससे पहले, भारतीय महिलाओं ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 50-31 से हराकर पहला मेडल पक्का किया था। साई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया), गांधीनगर, ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, 'चीन के सान्या में इतिहास रचा गया! भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीन में हुए 6वें एशियन बीच गेम्स में श्रीलंका को 47-31 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। यह इन गेम्स में भारत का पहला मेडल है। साई आरसी गांधीनगर नेशनल कोचिंग कैंप में की गई कड़ी मेहनत सच में रंग लाई है। ' इस बीच, पुरुषों की टीम ने भी पाकिस्तान पर 50-27 से शानदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई और भारत का दूसरा मेडल पक्का किया। ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) द्वारा आयोजित एशियन बीच गेम्स एक मल्टी-स्पोर्ट इवेंट है जो बीच और तटीय खेलों पर फोकस करता है। पहली बार 2008 में इंडोनेशिया के बाली में हुए इन गेम्स में ऐसे खेल दिखाए गए जो हमेशा एशियन गेम्स में शामिल नहीं होते थे।

केकेआर बनाम एलएसजी: अंगकृष रघुवंशी पर लगा मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना

मुंबई । कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में रघुवंशी को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। केकेआर की पारी के दौरान पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर अंगकृष रघुवंशी को 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' के कारण आउट दे दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने मैदान पर ही अपनी नाराजगी जाहिर की थी। अंगकृष ने पवेलियन लौटते हुए गुस्से में जोर से जमीन पर बल्ला मारा था और अपना हेलमेट बाउंड्री लाइन के पास फेंक दिया था। केकेआर का खेमा भी अंपायर के फैसले से काफी नाखुश दिखाई दिया था। टीम के हेड कोच अभिषेक नायर को भी गुस्से में अंपायर्स संग बातचीत करते हुए देखा गया था। दरअसल, प्रिंस यादव की गेंद पर अंगकृष मिड-ऑन की तरफ शॉट खेलकर रन लेने के लिए दौड़े थे, लेकिन दूसरे छोर पर खड़े कैमरून ग्रीन ने उन्हें वापस भेज दिया था।

आईपीएल और एकदिवसीय सीरीज के सफल आयोजन के लिए देव इन्द्रूनाग की शरण पंहुची एचपीसीए

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला में मई माह में आईपीएल और जून में भारत-अफगानिस्तान के बीच अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के सफल आयोजन के लिए हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने 'वर्षा के देवता' भगवान इंद्रुनाग मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया है। एचपीसीए प्रबंधन की ओर से आज खनियारा स्थित इंद्रुनाग मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। आईपीएल के तीन हाई-वोल्टेज मुकाबलों और जून में शुरू होने वाली भारत-अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह पूजा की गई। एचपीसीए के सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि एसोसिएशन ने न केवल आईपीएल मैचों, बल्कि 14 जून को धर्मशाला

से शुरू होने वाली भारत-अफगानिस्तान सीरीज के पहले मैच के सफल आयोजन की भी मन्नत मांगी है। मंदिर से लाए गए पवित्र जल का छिड़काव स्टेडियम में किया जाएगा, जिसके बाद ही सभी मैचों की तैयारियां विधिवत रूप से शुरू होंगी।इससे पूर्व आज सुबह मंदिर परिसर में सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन और पूजा-अर्चना की गई। इसके उपरांत दोपहर बाद भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें एचपीसीए सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। उधर बीसीसीआई के पिच क्यूरेटर सुनील चौहान ने बताया कि देवता के आशीर्वाद और पवित्र जल के छिड़काव के बाद सोमवार से मुख्य और अभ्यास पिचों के निर्माण का कार्य पूर्ण गति से शुरू कर दिया जाएगा।

धर्मशाला का मैदान इस सीजन में आईपीएल के तीन मैचों का गवाह बनेगा, जिसमें 11 मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स, 14 मई को पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस और 17 मई को पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दो मैच शाम साढ़े सात बजे से खेले जाएंगे जबकि तीसरा मैच दोपहर साढ़े तीन बजे से खेला जाएगा।

भारत-अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला एकदिवसीय मुकाबला 14 जून को दोपहर बाद धर्मशाला में खेला जाएगा। इसके अलावा 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में सीरीज के मैच होंगे। यह सभी मैच डे नाईट खेले जाने हैं। इससे पूर्व एकमात्र टेस्ट मैच चंडीगढ़ में 6 जून से 10 जून के बीच खेला जाना है।

दीप्ति शर्मा की दमदार वापसी, चौथे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन पर जताई खुशी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध चौथे टी-20 में अपने प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं हमेशा खुद पर भरोसा रखती हूं कि मैं जोरदार वापसी करूंगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में दीप्ति ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जोरदार वापसी की। 28 वर्षीय दीप्ति ने पहले भारतीय टीम की पारी को संभालते हुए नाबाद 36 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और फिर गेंद से भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर पांच विकेट हासिल किए, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका पहला पांच विकेट लेने का कारनामा था। उनके इस प्रदर्शन से भारत को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पांच मैचों की टी-20 सीरीज में पहली जीत मिली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार दीप्ति ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने के बाद कहा कि इसका पूरा श्रेय मेरी टीम के साथियों को जाता है जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

दीप्ति शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रही थीं। पिछले पांच टी-20 मैचों में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था और बल्ले से भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। हालांकि, भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मुजुमदार ने अपनी स्टार खिलाड़ी पर वापसी का भरोसा जताया था और दीप्ति ने जोहान्सबर्ग में मैच जिताने वाला शानदार प्रदर्शन करके इस भरोसे को सही साबित कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के बाद मजूमदार ने दीप्ति शर्मा का समर्थन करते हुए कहा था कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।

आईपीएल 2026 : रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर, अभिषेक शर्मा के सिर सजी ऑरेंज कैप

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में 26 अप्रैल का दिन गेंदबाजों के नाम रहा, जहां दो मुकाबलों में कुल 26 विकेट गिरे, जिसमें सुपर ओवर भी शामिल रहा। इस प्रदर्शन के बाद पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कगिसो रबाडा ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट झटके और अपनी टीम गुजरात टाइटंस को आठ विकेट से जीत दिलाई। चेन्नई की पिच पर मौजूद नमी ने तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त मदद दी, जिसका रबाडा ने पूरा फायदा उठाया। तेज रफ्तार और अतिरिक्त उछाल के साथ उन्होंने बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। इस प्रदर्शन के साथ रबाडा अब आठ मैचों में 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं शीर्ष स्थान पर अंशुल कंबोज और ईशान मलिंगा 14-14 विकेट के साथ बने हुए हैं।

ऑरेंज कैप में बड़ा उलटफेर

बल्लेबाजी की बात करें तो एक ही दिन में ऑरेंज कैप की दौड़ पूरी तरह बदल गई। विराट कोहली 24

घंटे के भीतर पहले स्थान से खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली में खेले गए मुकाबले में केएल राहुल ने नाबाद 152 रन बनाकर बीस ओवर प्रारूप में किसी भारतीय का सर्वोच्च स्कोर दर्ज किया और 357 रन के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।हालांकि, जयपुर में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 37 गेंदों में 103 रन की पारी खेलते हुए राहुल के बराबर 357 रन बना लिए और बेहतर प्रहार दर के आधार पर ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। इसके कुछ ही देर बाद अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन की पारी खेलते हुए 380 रन के साथ बल्लेबाजी सूची में पहला स्थान हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा 380 रन के साथ पहले स्थान पर हैं। वैभव सूर्यवंशी और केएल राहुल 357-357 रन के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। हेनरिक क्लासेन 349 रन के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि शुभमन गिल (330 रन) और विराट कोहली (328 रन) क्रमशः उनके पीछे हैं।

खराब फॉर्म के बावजूद निकोलस पूरन पर भरोसा सही: जस्टिन लैंगर

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवीं हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने सुपर ओवर में निकोलस पूरन को भेजने के फैसले का बचाव किया है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में पूरन सुपर ओवर में सुनील नरेन का सामना करने उतरे, लेकिन पहली ही गेंद पर आउट हो गए। मैच के बाद लैंगर ने कहा, 'हमें पता था कि गेंदबाजी सुनील नरेन करेंगे। पूरन ने दुनिया में सबसे ज्यादा बार उनका सामना किया है, इसलिए हमें लगा कि वही सबसे बेहतर विकल्प हैं। भले ही वह इस समय फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन बड़े खिलाड़ियों पर भरोसा करना पड़ता है। 'उन्होंने यह भी माना कि पूरन आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वह लगातार मेहनत कर रहे हैं। यह दिखाता है कि बड़े खिलाड़ी भी इंसान होते हैं। आत्मविश्वास प्रदर्शन से ही आता है। ' लैंगर ने हार के लिए पिच को सही तरीके से न समझ पाने को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि काली मिट्टी

की पिच धीमी थी और उस पर गेंद ज्यादा घूम रही थी, लेकिन टीम खुद को उसके अनुसार ढाल नहीं पाई। तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके। लैंगर ने उनकी जमकर तारीफ की और कहा कि वह जल्द ही भारत के लिए खेल सकते हैं। साथ ही मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव के प्रदर्शन की भी सराहना की गई, लेकिन आखिरी दो ओवरों में ज्यादा रन देना टीम को भारी पड़ गया। लगातार हार के कारण लखनऊ की टीम दबाव में है। टीम प्रबंधन का मानना है कि परिस्थितियों के अनुसार बेहतर तालमेल बैठाकर ही जीत की राह पर वापसी संभव है।

सुपर ओवर के रोमांच में कोलकाता की जीत, रिंकू सिंह और सुनील नरेन बने हीरो

एजेंसी

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पहले सुपर ओवर मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। बीआरएसएबीवी इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले ने दर्शकों को आखिरी गेंद तक बांधे रखा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में एलएसजी ने भी 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन बनाकर मैच टाई कर दिया। मैच का सबसे रोमांचक पल तब आया जब मोहम्मद शमी ने आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सुपर ओवर में कोलकाता की ओर से सुनील नरेन ने शानदार गेंदबाजी

करते हुए लखनऊ को सिर्फ 01 रन पर रोक दिया और दो अहम विकेट झटके। निकोलस पूरन पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गए, जबकि एडन मार्करम शानदार कैच के चलते आउट हुए। इस कैच में रोवमन पॉवेल और रिंकू सिंह की बेहतरीन साझेदारी देखने को मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर के लिए रिंकू सिंह ने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर टीम को जीत दिला दी। रिंकू ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 51 गेंदों पर नाबाद 83 रन बनाए और फील्डिंग में भी चार अहम कैच लपके। इस जीत के साथ केकेआर ने न सिर्फ अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधारी, बल्कि टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत भी दर्ज की। वहीं, एलएसजी के लिए यह मुकाबला बेहद करीबी हार के रूप में दर्ज हुआ।

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की चोट के बाद की पहली प्रतिक्रिया, बोले-सब ठीक

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के विरुद्ध मैच में कैच लेने प्रयास में गंभीर रूप से चोटिल हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। एनगिडी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई। इसमें उन्होंने लिखा, संदेशों के लिए धन्यवाद, सब ठीक है।

एनगिडी को शनिवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के विरुद्ध मैच में चोट लग गई थी। वह पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्य का कैच पकड़ने की कोशिश में पीछे की तरफ गिर गए थे और उनका सिर जोर से मैदान पर लगा था। वो तुरंत सिर पकड़कर जमीन पर लेट गए और इसके बाद मेडिकल स्टाफ तुरंत मैदान पर पहुंचा था। इस दौरान कुछ देर मैच रुका रहा। बाद में एहतियात के तौर पर एनगिडी को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में

दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने बताया था कि मुझे लगता है कि चोट गंभीर नहीं है। हम अपडेट देते रहेंगे, लेकिन स्थिति ज्यादा चिंताजनक नहीं है।

क्रिकेट एसोसिएशन ने टी-20 मुंबई महिला लीग के लोगो का अनावरण किया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने अपनी पहली टी-20 मुंबई महिला लीग के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया। पुरुष के बाद महिला लीग मुंबई के क्रिकेट परिदृश्य के विकास में एक महत्वपूर्ण क्षण है। लोगो आधुनिक महिला क्रिकेट की भावना को दर्शाता है। यह मुंबई की समृद्ध खेल विरासत से जुड़ा रहते हुए टी-20 प्रारूप की गतिशीलता, महत्वाकांक्षा और तीव्र ऊर्जा को प्रतिबिंबित करता है। मुंबई को भारतीय क्रिकेट के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण शहर के रूप में देखा जाता है। इस शहर ने कई बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ियों को जन्म दिया है। महिला टी20 लीग के साथ एमसीए अब इस विरासत को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से

काम कर रहा है। लीग को मुंबई की अगली पीढ़ी की महिला क्रिकेटरों को पहचानने, उन्हें बेहतर बनाने और आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि मुंबई ने हमेशा क्रिकेट में एक मिसाल कायम की है। टी-20 मुंबई महिला लीग के साथ हम उस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। महिला क्रिकेट के लिए एक मजबूत और टिकाऊ मार्ग का निर्माण कर रहे हैं और खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को आकार दे रहे हैं।

लीग गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष राजदीप गुप्ता ने कहा कि टी-20 मुंबई महिला लीग के लोगो का अनावरण मात्र एक उपलब्धि नहीं है। यह मुंबई में महिला क्रिकेटरों के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी मंच बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है। हम एक ऐसा वातावरण बनाना चाहते हैं जहां प्रतिभाओं की पहचान हो, उन्हें विकसित किया जाए और उन्हें वह अवसर मिले जिसके वे हकदार हैं। यह लीग उस दिशा में एक कदम है। एमसीए 2 मई को पुरुष और महिला दोनों लीगों के लिए खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित करेगा। नीलामी के लिए कुल 2,411 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 2,048 पुरुष और 363 महिलाएं शामिल हैं।

थॉमस और उबर कप में भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन को 4-1 से हराया

एजेंसी

कोपेनहेगन (डेनमार्क)। थॉमस और उबर कप में भारतीय बैडमिंटन टीम का अब तक प्रदर्शन अच्छा रहा है। डेनमार्क के हॉर्सेंस में ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने यूक्रेन को 4-1 से हराकर उबर कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं। विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 23वें स्थान पर मौजूद उन्नति हुडा ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए यूक्रेन की खिलाड़ी पोलिना बुहरोवा को 21-19, 22-20 से हराया। इसके बाद विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की येवहेनिया कान्तेमीर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय टीम ने सिंग्लस में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी

सिंधु को आराम दिया और उनकी जगह देविका सिहाग को उतारा। उन्होंने तीसरे मैच में यूक्रेन की खिलाड़ी मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। टीम को एक मात्र झटका महिला युगल में लगा, जहां भारत की कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी को यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा और कान्तेमीर की जोड़ी ने 21-11, 21-17 से हरा दिया। हालांकि, इसके बाद तनीषा क्रास्टो और पीवी सिंधु ने युगल मुकाबले में यूक्रेन की जोड़ी सोफिया लावरोवा और मारिया स्टोलियारेन्को को 21-18, 21-15 से हरा कर भारत को 4-1 से मुकाबला जिता दिया। इससे पहले भारतीय महिला बैडमिंटन टीम को ग्रुप-ए के पहले मुकाबले में डेनमार्क से 3-2 से हार मिली थी। भारत का अगला मुकाबला सोमवार को चीन से होगा। थॉमस कप में भारतीय पुरुष टीम ने अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप-ए में कनाडा पर 4-1 की जीत के साथ की और अब सोमवार को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

एशियन गेम्स को ओलंपिक से एक साल पहले कराने की तैयारी, 2031 से लागू हो सकता है नया फॉर्मेट

सान्या (चीन) । ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) एशियन गेम्स को समर ओलंपिक 2032 से ठीक एक साल पहले रीशेड्यूल करने का प्लान बना रहा है। इसका मकसद इस महाद्वीपीय इवेंट को दुनिया के सबसे बड़े स्पोर्ट्स शोकेस के साथ बेहतर तरीके से संरेखित करना है। ओसीए के वाइस प्रेसिडेंट सॉन्ग लुजेंग ने सोमवार को सिन्हुआ को बताया कि यह समायोजन दोहा एशियन गेम्स से लागू होने की उम्मीद है, जिसे 2030 से 2031 में शिफ्ट किया जाएगा। इस प्रस्ताव को ओसीए कार्यकारिणी बोर्ड ने पहले ही मंजूरी दे दी है और अब इस पर इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के साथ आगे बातचीत चल रही है। सोंग ने कहा, 'इससे एशियन गेम्स ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग इवेंट के तौर पर काम कर सकेंगे, जिससे ज्यादा एलीट एथलीट को प्रतियोगिता के कीमती मौके मिलेंगे और गेम्स का ओवरऑल स्टैंडर्ड बढ़ेगा।' सोंग ने बताया कि ओलंपिक क्वालिफिकेशन को अभी इंटरनेशनल फेडरेशन मैनेज करते हैं और ओसीए नए प्लान पर उनमें से कुछ के साथ बातचीत के आखिरी स्टेज में है। अगर यह आइडिया मंजूर हो जाता है, तो यह बदलाव दोहा 2030 एशियन गेम्स से शुरू होगा, जिसे 2031 तक टाल दिया जाएगा। इसका असर रियाद 2034 एशियन गेम्स पर पड़ेगा, जो बाद में 2035 में होंगे।

गुजरात की आईपीएल 2026 में चौथी जीत, चेन्नई को आठ विकेट से हराया

एजेंसी

चेन्नई। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 37वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 158 रन बनाए। जवाब में जीटी ने 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 162 रन बनाते हुए जीत हासिल की। इस जीत के गुजरात की टीम अंक तालिका में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। टीम के आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ आठ अंक हैं। वहीं चेन्नई की टीम अंक तालिका में नंबर छह पर खिसक गई है। टीम के आठ मैचों में तीन जीत और पांच हार के साथ छह अंक है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पॉवरप्ले में तेजी से रन बटोरे और शुरूआती छह ओवर में टीम के स्कोर को 55 रन पहुंचा दिया। टीम का पहला विकेट

सातवें ओवर में गिरा। कप्तान गिल 23 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पहले विकेट के लिए सुदर्शन के साथ 58 रनों की साझेदारी निभाई। एक विकेट गिरने के बाद सुदर्शन ने जोस बटलर के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। सुदर्शन ने आकर्षक बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन 46 गेंदों में सात छक्कों और चार चौकों की मदद से 87 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद जोस बटलर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। बटलर ने 30 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 39 रन बनाए।

सीएसके की ओर से नूर अहमद और अकील हुसैन ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने सात विकेट के नुकसान पर 158 रन बनाए। टीम की शुरुआत खराब रही। पावरप्ले में ही सीएसके ने तीन विकेट गंवा दिए और मात्र 28 रन बनाए थे। नौवें ओवर में डेवाल्ड ब्रेविस भी दो ही रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने शिवम दूबे के साथ पारी को संभाला। गायकवाड़ और दूबे के बीच 59 रन की साझेदारी हुई। बड़ा शॉट खेलने के दौरान दुबे क्लीन बोल्ड हो गए। उन्होंने 17 गेंद में 22 रन बनाए। आखिर में कार्तिक शर्मा 9 गेंदों में 15 रन और जेमी ओवरटन ने 6 गेंदों में 18 रन बनाए। कप्तान गायकवाड़ 60 गेंदों में छह चौके और चार छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद लौटे। गुजरात की ओर से कगिसो रबाडा ने तीन विकेट और अरशद खान ने दो विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला।

केंद्र सरकार की 'वन नेशन, वन केवाईसी' पहल से बैंकिंग और निवेश होगा आसान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आम नागरिकों को अब बैंक खाता खोलने, बीमा पॉलिसी लेने या म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए बार-बार केवाईसी की लंबी प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'पोर्टेबल केवाईसी' व्यवस्था लागू करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं, जिसका मूल मंत्र है–'एक बार सत्यापन, हर जगह मान्य।' इस नई प्रणाली के तहत, एक बार केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने पर ग्राहक की जानकारी एक सुरक्षित केंद्रीय रजिस्ट्री में दर्ज हो जाएगी। इसके बाद, किसी भी अन्य वित्तीय संस्थान में सेवा लेते समय उसे दोबारा दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी, जो डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। वर्तमान में ग्राहकों को दोहरा सत्यापन और अत्यधिक कागजी कार्रवाई जैसी व्यावहारिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बैंक में केवाईसी होने के बावजूद शेयर ब्रोकरेज या बीमा कंपनियों के लिए फिर से वही प्रक्रिया दोहरानी पड़ती है, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती है बल्कि डेटा मिसमैच होने पर खाता खुलने में भी देरी होती है। नई प्रस्तावित व्यवस्था इन सभी बाधाओं को दूर करेगी। इसे डिजिलॉकर और वीडियो केवाईसी जैसी अत्याधुनिक डिजिटल सुविधाओं के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे पता या फोन नंबर बदलने पर भी अपडेट की प्रक्रिया बेहद सरल और केंद्रीकृत हो जाएगी।

स्काईहॉप एविएशन को एयर ऑपरेटर प्रमाणपत्र, देश में पहली बार शुरू करेगी वाणिज्यिक सीप्लेन सेवा

नई दिल्ली। स्काईहॉप एविएशन को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) मिल गया है। इसके साथ ही कंपनी देश में पहली बार वाणिज्यिक सीप्लेन संचालन शुरू करने के और करीब पहुंच गयी है। स्काईहॉप एविएशन किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के प्रवर्तक अजय सिंह की बेटी अवनी सिंह की कंपनी है। वाणिज्यिक सी-प्लेन संचालन शुरू करने के लिए इस महीने की शुरुआत में उत्तराखंड के गंगा बैराज और टिहरी झील पर पानी में टेक-ऑफ और लैंडिंग के सफल परीक्षण किये गये थे। कंपनी की जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उसका उद्देश्य उन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार करना है जहां पारंपरिक हवाई अड्डे बनाना मुश्किल है। पहले चरण में लक्षद्वीप के पांच द्वीपों को आपस में और मुख्य भूमि से जोड़ने की योजना है। संचालन 19-सीटर विमान से शुरू होगा। एयरलाइन देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे अवसरों का मूल्यांकन कर रही है, जहां इस तरह की कनेक्टिविटी वास्तविक बदलाव ला सकती है। स्काईहॉप एविएशन की संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अवनी सिंह ने कहा, 'एओसी प्राप्त करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और यह पिछले एक वर्ष के निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

दिग्गज दवा कंपनी सन फार्मा का ग्लोबल मार्केट में बड़ा धमाका, 98 हजार करोड़ रुपये में अमेरिकी कंपनी ऑर्गेनॉन का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। भारतीय फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने वैश्विक स्तर पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध अमेरिकी दवा कंपनी 'ऑर्गेनन एंड कंपनी' को 11.75 बिलियन डॉलर (लगभग 98,000 करोड़ रुपये) में खरीदने का आधिकारिक ऐलान किया है। यह भारतीय दवा उद्योग के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा विदेशी अधिग्रहण है। सन फार्मा ऑर्गेनन के सभी शेयरों को 14 डॉलर प्रति शेयर के भाव पर नकद खरीदेगी। इस मेगा डील के 2027 की शुरुआत तक पूरी तरह संपन्न होने की उम्मीद है, जिसके लिए कंपनी अपनी आरक्षित नकदी और ऋण के मिश्रण का उपयोग करेगी। इस रणनीतिक विलय के बाद सन फार्मा और ऑर्गेनन की संयुक्त सालाना आय लगभग 12.4 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी, जिससे सन फार्मा दुनिया की शीर्ष 25 दवा कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगी। ऑर्गेनन की मुख्य विशेषता महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी दवाएं हैं। इस अधिग्रहण के बाद सन फार्मा इस विशेष चिकित्सा क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बन जाएगी।

मुंबई की मंडी में अल्फांसो की आवक बढ़ने से कीमतों में भारी गिरावट

मुंबई। मुंबई कृषि मंडी में हापुस आम (अल्फांसो) की आवक में जोरदार उछाल आने से इसकी कीमतों में गिरावट आई है, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। बाजार से प्राप्त विवरण के अनुसार, हापुस की दैनिक आवक बढ़कर लगभग 70,000 बॉक्स तक पहुंच गई है। मंडी में कोंकण के रत्नागिरी, देवगढ़, सिंधुदुर्ग और रायगढ़ जिलों के साथ-साथ कर्नाटक और अन्य राज्यों से भी भारी मात्रा में आम पहुंच रहे हैं। भारी आवक के चलते क्रेट की कीमतों में कमी आई है। हापुस आम का जो बॉक्स पहले 2,000 से 5,000 रुपये के बीच बिक रहा था, उसकी कीमत अब गिरकर 1,500 से 3,000 रुपये प्रति बॉक्स रह गई है। आमतौर पर एक बॉक्स में पांच से आठ दर्जन आम होते हैं, जिससे गुणवत्ता और आकार के आधार पर थोक दर लगभग 190 से 600 रुपये प्रति दर्जन हो गई है।

आगरा में भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते से पहले उद्योग संवाद, निर्यात और निवेश के नए अवसरों पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर से पहले आगरा में आयोजित उद्योग संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक चर्चा की। इस दौरान स्पष्ट किया गया कि यह समझौता केवल शुल्क कटौती तक सीमित नहीं होगा, बल्कि तकनीक, नवाचार, शिक्षा, कौशल, गतिशीलता और जन-से-जन संबंधों को मजबूत करने वाला एक व्यापक ढांचा साबित होगा।केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री एसपी बघेल ने भी भाग लिया। इस संवाद में चमड़ा एवं जूता उद्योग, आयुष, औषधि, चिकित्सा उपकरण, हल्के इंजीनियरिंग, खेल सामग्री और लघु उद्योग क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए,

जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों और संभावनाओं पर अपने विचार रखे। बैठक में आगरा के चमड़ा उद्योग की विशेष चर्चा हुई, जो देश के लगभग 75 प्रतिशत चमड़ा जूता उत्पादन का केंद्र है। प्रस्तावित समझौते के लागू होने पर भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त होने और चमड़ा एवं जूता उत्पादों पर वर्तमान शुल्क शून्य होने से इस क्षेत्र को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलने की उम्मीद जताई गई। उद्योग प्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र के वर्ष 2030 तक 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की संभावना भी व्यक्त की।

औषधि और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने समझौते से तेज नियामकीय मंजूरी और अंतरराष्ट्रीय मानकों की मान्यता जैसे प्रावधानों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादों की स्वीकृति प्रक्रिया आसान होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। समझौते में आयुष से जुड़े प्रावधानों को भी महत्वपूर्ण बताया गया, जिससे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता उद्योगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेगा। उन्होंने उद्योग जगत से शिक्षा, कौशल विकास और प्रतिभा के आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले ने भारत को अपने देश के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने उद्योगों को संयुक्त उपक्रमों और निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। यह उद्योग संवाद कार्यक्रम भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर से पहले आयोजित बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा है। मार्च 2025 में शुरू हुई वार्ताओं के बाद यह समझौता अंतिम चरण में पहुंच चुका है ।

अगले सप्ताह सिर्फ एक नए आईपीओ की लॉन्चिंग, दो कंपिनियों के शेयरों की लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट काफी हद तक शांत रहने वाला है। पिछले सप्ताह की तरह इस सप्ताह भी सिर्फ एक कंपनी अपना आईपीओ लॉन्च कर रही है। ये आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इस नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले एक आईपीओ में भी इस सप्ताह निवेशक बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का ही है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह दो कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें से एक इंफ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट लिस्टिंग रहने वाली है। सप्ताह खुलने वाला एकमात्र आईपीओ अंबा ऑटो सेल्स एंड सर्विसेज का है। कंपनी का 65.12 करोड़ रुपये का आईपीओ सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी 27 अप्रैल को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 29 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये से लेकर 135 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 अप्रैल को अलॉटमेंट फाइनल किया जाएगा, जबकि 5 मई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 23 अप्रैल को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले आदीसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज के 74.10 करोड़ रुपये के आईपीओ में सोमवार यानी 27 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 163 रुपये से लेकर 172 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट हो सकता।

देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य, 51.8 लाख एलपीजी सिलेंडर की हुई आपूर्तिः केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी हालात के बीच केंद्र सरकार ने देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने बताया कि 25 अप्रैल को देशभर में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की गई, जबकि कहीं भी गैस एजेंसियों पर कमी (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल, डीजल और गैस की अनावश्यक खरीद से बचें और अफवाहों पर ध्यान न दें। मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2026 से अब तक लगभग 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं, जबकि 2.62 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए आधारभूत ढांचा तैयार किया गया है। साथ ही 42,500 से अधिक उपभोक्ताओं ने पीएनजी अपनाते हुए एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं।

सरकार ने आपूर्ति प्रबंधन को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। एलपीजी की मांग को संतुलित करने के लिए वैकल्पिक ईंधनों जैसे केरोसिन और कोयले की उपलब्धता भी बढ़ाई गई है। वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को दिया जा रहा है। साथ ही प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलोग्राम सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए देशभर में सख्त कार्रवाई जारी है। बीते दिन 2100 से अधिक छापेमारी की गई, जबकि 310 गैस एजेंसियों पर जुर्माना लगाया गया और 70 एजेंसियों को निलंबित किया गया है। पश्चिम एशिया क्षेत्र में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी सरकार सक्रिय है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अब तक 2,764 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 24 लोग शामिल हैं। 28 फरवरी से अब तक करीब 12.96 लाख यात्री इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। सरकार ने कहा कि सभी बंदरगाहों पर संचालन सामान्य है और भारतीय जहाजों या नाविकों के साथ किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। विदेश मंत्रालय और अन्य एजेंसियां क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी कर रही हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

छग में एनटीपीसी सीपत के 7.19 करोड़ के सीएसआर कार्यों का हुआ लोकार्पण, अब उन्नत तकनीक से होंगी जांच

एजेंसी

बिलासपुर/रायपुर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बिलासपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) सीपत ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत लगभग 7.19 करोड़ रुपये की लागत से विकसित चिकित्सा सुविधाओं का लोकार्पण किया। इस पहल के तहत शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) को उन्नत उपकरणों और सुदृढ़ आधारभूत संरचना की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। इसके तहत शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एनटीपीसी सीपत की लगभग 4.27 करोड़ रुपये की सहायता से स्थापित अत्यधुनिक रक्त केंद्र, माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला, हार्मोन लैब तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित माइक्रोस्कोपी सुविधा का उद्घाटन किया गया। यह रक्त केंद्र छत्तीसगढ़ का अपनी तरह का पहला अत्यधुनिक ब्लड बैंक है, जिसमें

उन्नत तकनीक से युक्त विश्वस्तरीय मशीनें स्थापित की गई हैं, जिससे जांच और उपचार सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर में लगभग 2.92 करोड़ रुपये की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि से खरीद की गई मशीनों का भी लोकार्पण किया गया। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन सीपत और सिम्स के मध्य उपकरणों के हस्तांतरण से संबंधित औपचारिक दस्तावेजों का आदान-प्रदान भी किया गया। इस सहायता से सिम्स के लगभग आठ विभागों के लिए कुल 26 आधुनिक मशीनें स्थापित की गई हैं, जिनमें हाई-एंड कलर डॉप्लर, ऑटोमैटिक केमिल्यूमिनेसेंस प्रणाली, हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी), सी-आर्म मशीन, ऑपरेशन थिएटर टेबल, डेंटल चेयर, मॉर्चुरी फ्रीजर, एमओ2 फ्रैक्शनल लेजर सिस्टम तथा एसीटी मशीन शामिल हैं।मुख्य अतिथि तोखन साहू ने एनटीपीसी सीपत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में इस प्रकार का सहयोग छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक ब्लड बैंक, उन्नत प्रयोगशालाएं और आधुनिक उपकरण मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल जनसेवा को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी गति प्रदान करती हैं। शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निदेशक, प्रोफेसर एवं मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि यह रक्त केंद्र पूर्णतः कंप्यूटरीकृत एवं ऑनलाइन प्रणाली पर आधारित है, जिससे जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

टॉप 10 में शामिल 7 कंपनियों का मार्केट कैप 2.05 लाख करोड़ गिरा, टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सात कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि तीन कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से सात के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 2.05 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ, जबकि देश में सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर रही। दूसरी ओर, टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल कंपनियों में शेष बची तीन कंपनियों के मार्केट कैप में पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 48 हजार करोड़ रुपये से अधिक का उछाल आ गया। मार्केट कैप में बढ़ोतरी हासिल करने वाली यानी फायदा उठाने वाली तीनों कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे आगे पहले स्थान पर रही। इस सप्ताह के कारोबार के बाद टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और लार्सन एंड टूब्रो के मार्केट कैप में 2,05,343.06 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 48,429.31 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। हुए कारोबार के बाद टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 66,699.44 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,67,364.12 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 50,670.34 करोड़ रुपये कम होकर 17,96,647.50 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया।

इस सप्ताह 6 कंपनियों के शेयर एक्स डिविडेंड ट्रेड करेंगे, अधिकतम 29.59 रुपये का मिलेगा डिविडेंड

एजेंसी

नई दिल्ली। शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह के दौरान छह कंपनियों के शेयर एक्स डिविडेंड ट्रेड करने वाले हैं। इन कंपनियों का डिविडेंड अमाउंट कम से कम 1.50 रुपये और अधिक से अधिक 29. 59 रुपये प्रति शेयर है। कंपनियों का डिविडेंड उन शेयर होल्डर्स को ही मिलेगा, जिनका नाम रिकॉर्ड डेट तक शेयरों के मालिक के तौर पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी या डिपॉजिटरीज के रिकॉर्ड में दर्ज होगा।

कंपनी 36 वन वैम (36 ओएनई डब्ल्यूएएम) छह रुपये प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड जारी कर रही है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 27 अप्रैल तय किया गया है। कंपनी के शेयर की फेस वैल्यू एक रुपये है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 1,039.35 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। कंपनी की ओर से बताया गया है कि अंतरिम डिविडेंड का भुगतान 20 मई या उससे पहले कर दिया जाएगा।इसी तरह स्टोवेक इंडस्ट्रीज ने 12 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है। डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 30 अप्रैल तय की गई है। कंपनी के शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 1,879.10 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। इस हफ्ते डिविडेंड देने के लिए रिकॉर्ड डेट तय करने वाली तीसरी कंपनी तानला प्लेटफॉर्म्स है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए छह रुपये प्रति शेयर का दूसरा अंतरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। तानला प्लेटफॉर्म्स के डिविडेंड के लिए भी रिकॉर्ड डेट 30 अप्रैल तय की गई है। कंपनी के शेयर की फेस वैल्यू एक रुपये है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 486.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। तरह हिंदुस्तान जिंक ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 11 रुपये प्रति शेयर के पहले अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। हिंदुस्तान जिंक के डिविडेंड के लिए भी रिकॉर्ड डेट 30 अप्रैल तय की गई है। कंपनी के शेयर की फेस वैल्यू दो रुपये है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 588.85 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। डिविडेंड के लिए इसी सप्ताह के रिकॉर्ड डेट वाली कंपनियों में पांचवा नाम एबीबी इंडिया का है। कंपनी 29.59 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने जा रही है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट दो मई है, जबकि कंपनी के शेयर इसके ठीक पहले वाले कारोबारी दिन 30 अप्रैल को एक्स डिविडेंड ट्रेड करेंगे। यह कंपनी डिविडेंड देने के लिए जनवरी से दिसंबर के कैलेंडर इयर को फॉलो करती है। एबीबी इंडिया के शेयर की फेस वैल्यू दो रुपये है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 7,327 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में सीमित दायरे में कारोबार, 78 हजार डॉलर के पार पहुंचा बिटकॉइन

एजेंसी

मुंबई। । क्रिप्टो करेंसी मार्केट में सीमित दायरे में कारोबार होता नजर आ रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से चार गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार कर रही हैं, जबकि छह क्रिप्टो करेंसीज दबाव के बावजूद मामूली बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं। बाजार में दबाव की स्थिति होने के बाद भी दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन 0.68 प्रतिशत की मामूली तेजी 78 हजार डॉलर के स्तर से ऊपर चली गई है। इसी तरह दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्ट करेंसी एथेरियम भी पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान 0.61 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 2,300 हजार डॉलर के स्तर को पार करने में सफल रही है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम पांच बजे तक बिटकॉइन 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,097.44 डॉलर यानी लगभग 73.61 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम की कीमत भी आज 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ उछल कर 2,332.80 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा यूएसडी कॉइन 0.01 प्रतिशत, सोलाना

0.18 प्रतिशत, ट्रॉन 0.13 प्रतिशत और डॉगकॉइन 0.03 प्रतिशत की मामली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, टेथर 0.01 प्रतिशत, एक्सआरपी 0.34 प्रतिशत, बीएनबी 0.85 प्रतिशत और हाइपरलिक्विड 0.03 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में तेजी आई है।

एयर कार्गो के विस्तार के लिए 'सी-एयर' कार्गो हब बनाने की जरूरतः मामिडाला

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के तेज विकास के बीच एयर कार्गो क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं और इसे भुनाने के लिए 'सी-एयर' वाले बड़े कार्गो हब बनाने की जरूरत है जहां बंदरगाह और हवाई अड्डा एक साथ हों। एयर इंडिया कार्गो के प्रमुख और भारतीय एयर कार्गो फोरम (एसीएफआई) के उपाध्यक्ष रमेश मामिडाला का मानना है कि भारत का हवाई माल परिवहन (एयर कार्गो) अगले चार-पांच साल में तीन गुना होकर एक करोड़ टन तक पहुंचने की क्षमता रखता है। उन्होंने पश्चिम एशिया युद्ध के भारतीय एयर कार्गो क्षेत्र पर पड़े प्रभाव की भी बात की। श्री मामिडाला ने यहां एक कार्यक्रम से इतर समाचार एजेंसी 'यूनीवार्ता' के साथ एक विशेष बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में देश में सालाना 35 लाख टन के अधिक एयर कार्गो का संचालन होता है जिसके इस साल के अंत तक 40 लाख टन पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अगले चार-पांच साल में यह आंकड़ा लगभग एक करोड़ टन पर पहुंच सकता है और साल 2047 तक इसके 2.5 करोड़ टन पर पहुंचने की संभावना है। बेहतर होते सड़क संपर्क और जलमार्गों को सरकार द्वारा मिल रहे प्रोत्साहन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ये सभी माध्यम अच्छा प्रदर्शन करेंगे और एक-दूसरे के पूरक होंगे, प्रतिस्पर्द्धी नहीं। देश में सभी परिवहन माध्यमों की मांग बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि छोटे और मझौले शहरों से बड़े एयर कार्गो हब तक माल लाने के लिए अच्छी सड़कों की जरूरत है।

महाराष्ट्र दिवस पर स्टॉक मार्केट में एक मई को छुट्टी, एमसीएक्स में शाम के सत्र में होगा कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन एक मई को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर छुट्टी रहेगी। इस कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में शुक्रवार को कारोबार नहीं होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी महाराष्ट्र दिवस की छुट्टी होने की वजह से पहले सत्र में यानी सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक कारोबार नहीं होगा। हालांकि, एमसीएक्स में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक दूसरे सत्र में सामान्य कारोबार होगा।

स्टॉक एक्सचेंज के अनुसार महाराष्ट्र दिवस की छुट्टी होने के कारण एक मई को बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, न्यू डेट सेगमेंट- रिपोर्टिंग, सेटलमेंट एंड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (एनडीएस-आरएसटी), ट्राई पार्टी रेपो, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। इसी तरह एनएसई में भी महाराष्ट्र दिवस की छुट्टी होने के कारण एक मई को इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स,

निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। इनमें इस दिन कोई कारोबार नहीं होगा।स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार इसके अलावा 28 मई को बकरीद की वजह से स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। इस हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक जून के महीने में सिर्फ एक दिन 26 जून को मोहर्रम के कारण स्टॉक मार्केट में कारोबार नहीं होगा। इसके बाद जुलाई और अगस्त में स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा और कोई छुट्टी नहीं होगी। सितंबर के महीने में 14 तारीख को गणेश चतुर्थी की छुट्टी होगी। इसके बाद अक्टूबर के महीने में दो तारीख को महात्मा गांधी जयंती के कारण स्टॉक मार्केट में कोई कारोबार नहीं होगा। इसी महीने 20 तारीख को स्टॉक मार्केट में दशहरा की छुट्टी होगी, जबकि 10 नवंबर को बलि प्रतिपदा के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी। नवंबर के महीने में 24 तारीख को श्री गुरु नानक देव गुरु परब की छुट्टी रहेगी। इसी तरह साल के आखिरी महीने दिसंबर में 25 तारीख को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी। साल स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त शनिवार के दिन रहने वाला है। इसी तरह दिवाली आठ नवंबर को रविवार के दिन होगी। शनिवार और रविवार होने की वजह से इन दोनों दिनों को स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कैलेंडर में शामिल नहीं किया गया है। दिवाली के दिन रविवार होने के बावजूद स्टॉक मार्केट में मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। हालांकि, मुहूर्त ट्रेडिंग का समय बाद में घोषित किया जाएगा।

ओमान में ईरान के विदेश मंत्री अराघची और सुल्तान की बैठक, क्षेत्रीय संकट पर चर्चा

एजेंसी

मस्कट। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और क्षेत्रीय संकट को सुलझाने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। ईरान के 'प्रेस टीवी' की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में अराघची ने सुल्तान को पश्चिम एशिया में हाल ही में हुए घटनाक्रम के बारे में ईरान का नजरिया बताया, खासकर इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमलों के बाद की स्थिति पर। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बढ़ाने के लिए ओमान के संवाद और मध्यस्थता के प्रयासों की सराहना की। सुल्तान हैथम ने कहा कि ओमान हमेशा कोशिश करता है कि बातचीत के जरिए लंबे समय तक टिकने वाले राजनीतिक समाधान निकाले जाएं और आम लोगों पर संकट का असर कम हो। उन्होंने जोर दिया कि समस्याओं का हल बातचीत और कूटनीति से ही होना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोशल प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि अराघची की यह यात्रा ओमान की आधिकारिक यात्रा है और हालिया अमेरिका-इजरायल हमलों के बाद यह उनकी पहली क्षेत्रीय यात्रा है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने खाड़ी देशों के साथ रिश्तों को बहुत अहम मानता है और भरोसे और सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दक्षिणी लेबनान में आईडीएफ के हमले, सात गांवों को खाली करने का अलर्ट

यरूशलम। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान में कई जगहों पर हमला किया और वहां के सात गांवों के लोगों को घर खाली करने की चेतावनी दी। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने ऐसे सैन्य ठिकानों और लॉन्चरों को निशाना बनाया जो आतंकी संगठन हिजबुल्लाह की ओर से हमलों की तैयारी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने मेफदोन, शुकिन, याहमार, अरनौन, जोतेर शर्किया, जोतेर गर्बिया और काफ्र तिबनित गांवों के लोगों को तुरंत वहां से निकलने को कहा। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह की ओर से युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने के कारण सेना को मजबूरन सख्त कार्रवाई करनी पड़ रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घर छोड़ दें और बताए गए इलाके से कम से कम 1000 मीटर दूर रहें। आईडीएफ ने साफ किया कि जिन इमारतों पर हमला किया गया, उनका इस्तेमाल हिजबुल्लाह इजरायल और उसकी सेना के खिलाफ हमलों की योजना बनाने के लिए कर रहा था। रविवार की रात को हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में मौजूद आईडीएफ बलों की ओर दो विस्फोटक ड्रोन भेजे, लेकिन दोनों खुले इलाके में गिर गए और किसी को नुकसान नहीं हुआ।

ट्रंप की डिनर पार्टी में फायरिंग, यूरोपीय नेताओं ने की निंदा, मैक्रों बोले- राजनीति में हिंसा की जगह नहीं

पेरिस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की डिनर पार्टी में हुई फायरिंग को लेकर यूरोपीय देशों के नेताओं की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा की और अमेरिकी प्रेसिडेंट के लिए अपना समर्थन जताया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कल रात (अमेरिकी समयानुसार) अमेरिका के राष्ट्रपति को निशाना बनाकर किया गया हथियारबंद हमला मंजूर नहीं है। लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मैं डोनाल्ड ट्रंप को अपना पूरा समर्थन देता हूं।' यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने घटना को 'बहुत परेशान करने वाला' बताया और एक्स पर लिखा कि पब्लिक लाइफ में राजनीतिक हिंसा की कोई जगह नहीं है और इसे पूरी तरह से खारिज किया जाना चाहिए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि वह कल रात की घटना से हैरान हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं या प्रेस की आजादी पर किसी भी हमले की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा, ''राजनीति में हिंसा की कभी कोई जगह नहीं है और मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस और रेस्पॉन्डर्स की तेज कार्रवाई के लिए धन्यवाद।''

माली में हुई हिंसक वारदातों से यूएन चीफ बहुत चिंतित: प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस माली में घटी हिंसक वारदातों से बहुत चिंतित हैं, और उन्होंने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की। गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि यूएन चीफ ने मालीवासियों के साथ एकजुटता दिखाई, और आम जनता के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा की जरूरत पर जोर दिया है। बयान में कहा गया, 'महासचिव ने साहेल में हिंसक कट्टरपंथ और आतंकवाद के बढ़ते खतरे से निपटने और तुरंत मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए मिलकर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अपील की है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को पूर्ण सहयोग और आपसी तालमेल से चुस्त दुरुस्त बनाने का आग्रह किया।' एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, माली की ट्रांजिशनल सरकार ने शाम को कहा कि हथियारबंद आतंकवादी गुट ने दिन में देश के कई शहरों पर मिलकर हमले किए, जिसमें 16 लोग घायल हो गए। इसमें आगे कहा गया कि माली के रक्षा और सुरक्षा बलों ने हमलों पर काबू पा लिया।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची का महत्वपूर्ण रूस दौरा, सेंट पीटर्सबर्ग में राष्ट्रपति पुतिन से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान और ओमान के कूटनीतिक दौरों के बाद अब रूस के सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं, जहां वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। ईरान की सरकारी मीडिया आईआरएनए के अनुसार, इस दौरे का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय दुश्मनी को कम करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जुटाने के तेहरान के हालिया प्रस्ताव पर चर्चा करना है। विशेष बात यह रही कि अराघची की फ्लाइट का कॉलसाइन 'मिनाब 168' रखा गया था, जो फरवरी में एक हमले में मारे गए ईरानी स्कूली बच्चों की स्मृति में चुना गया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव और रूसी विदेश मंत्रालय ने इस यात्रा की पुष्टि करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों के लिए अहम बताया है।

रूस में ईरान के राजदूत काजम जलाली ने इस दौरे के एजेंडे को

स्पष्ट करते हुए कहा कि अराघची रूसी अधिकारियों के साथ मध्य पूर्व के मौजूदा हालात, संभावित युद्धविराम (सीजफायर) और क्षेत्र में बढ़ते संघर्षों पर विस्तार से चर्चा करेंगे। दोनों देशों के बीच यह संवाद उनके राष्ट्रपतियों और मंत्रियों के बीच हुई निरंतर टेलीफोनिक वार्ताओं की अगली कड़ी है। राजदूत ने जोर दिया कि रूस और ईरान कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक समान राय रखते हैं, विशेष रूप से पश्चिमी देशों द्वारा बनाए जा रहे कूटनीतिक दबाव के खिलाफ दोनों देश एकजुट हैं। रूस ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तेहरान का बचाव करते हुए अपने वीटो अधिकार का उपयोग कर पश्चिमी प्रस्तावों का विरोध भी किया है। रूस पहुंचने से पहले, अराघची ने इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ अहम बैठकें की थीं। तस्नीम न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान में हुई बातचीत के दौरान 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के लिए एक नई कानूनी व्यवस्था, ईरानी बंदरगाहों से अमेरिकी नाकाबंदी हटाने और ईरान पर भविष्य में हमले न होने की गारंटी जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा हुई। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने स्पष्ट किया है कि मंत्री का उद्देश्य केवल क्षेत्रीय सहयोग और मध्यस्थता के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। उन्होंने उन अटकलों को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा जा रहा था कि इस दौरे के दौरान अमेरिकी अधिकारियों के साथ कोई गुप्त बैठक होनी है।

माली में कई शहरों पर आतंकी हमले, रक्षा मंत्री सादियो कैमारा की मौत

एजेंसी

बामाको। माली के रक्षा मंत्री सादियो कैमारा की काटी शहर में उनके आवास पर हुए हमले में मौत हो गई है। यह शहर राजधानी बामाको के पास है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार उन पर सशस्त्र आतंकी समूहों ने हमला किया। कुछ लोगों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि देश के कई शहरों में आतंकियों ने शनिवार को एक साथ कई हमले कर दिए, जिनमें 16 लोग घायल हो गए। काटी में मंत्री सादियो कैमारा के घर को भी निशाना बनाया गया और इस हमले में मंत्री और उनकी दूसरी पत्नी की मौत हो गई। एजेंसी के अनुसार, सरकार ने शाम को एक बयान में कहा कि ये हमले कई जगहों पर हुए, जिनमें काटी, सेवारे, गाओ, किदाल और राजधानी बमाको शामिल हैं। बयान में यह भी कहा गया कि घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और संपत्ति का नुकसान सीमित रहा है। सरकार ने रविवार तक आधिकारिक तौर पर मंत्री की मौत की पुष्टि नहीं की थी। माली की सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि किदाल, काटी और अन्य इलाकों में आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन जारी हैं। ये अभियान शनिवार के हमलों के बाद शुरू किए गए थे। सेना ने एक अलग बयान में कहा कि इन हमलों का मकसद देश की सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करना और डर और अराजकता फैलाना था। इसके साथ ही देशभर में अलर्ट बढ़ा दिए गए हैं, कर्फ्यू लगा दिए गए हैं, बड़े पैमाने पर पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है और चेकपोस्ट मजबूत किए गए हैं, ताकि सुरक्षा को बेहतर किया जा सके। जनरल स्टाफ ने दोहराया कि माली की सेना देश की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

'मध्यस्थ को एक तरफ नहीं झुकना चाहिए', ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर उठाए सवाल

एजेंसी

तेहरान । ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव कम करने के उद्देश्य से पाकिस्तान की मध्यस्थता में युद्धविराम (सीजफायर) को लेकर वार्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। इस दीर्घकालिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान ने स्वयं को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत किया है। पाकिस्तान इस राजनयिक पहल के माध्यम से न केवल अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को सुधारने का प्रयास कर रहा है, बल्कि उसे इस प्रक्रिया के बदले आर्थिक सहायता मिलने की भी प्रबल संभावना है। हालांकि, इन प्रयासों के बीच ईरान के भीतर पाकिस्तान की भूमिका को लेकर विश्वसनीयता का संकट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान के सांसद और 'राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग' के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने भी पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए उसकी निष्पक्षता पर संदेह व्यक्त किया है। रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान हमारा अच्छा दोस्त और पड़ोसी है, लेकिन वह बातचीत के लिए सही मध्यस्थ नहीं है और उसमें मध्यस्थता के लिए जरूरी विश्वसनीयता नहीं है। वे हमेशा ट्रंप के फायदों का ध्यान रखते हैं और अमेरिकियों की मर्जी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहते।'

ईरानी नेता ने आगे कहा, 'उदाहरण के लिए, वे दुनिया को यह बताने को तैयार नहीं हैं कि अमेरिका ने पहले पाकिस्तान का प्रस्ताव मान लिया था लेकिन फिर अपनी बात से मुकर गया। वे यह नहीं कहते कि लेबनान या ब्लॉक किए गए एसेट्स के मुद्दे पर अमेरिकियों ने कमिटमेंट किए थे लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। एक मीडिएटर को बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए, हमेशा एक तरफ नहीं झुकना चाहिए।' पाकिस्तान का झुकाव इस स्थिति में अमेरिकी की तरफ साफ जाहिर है। इसका ताजा उदाहरण तब देखने को मिला, जब दोनों देशों के बीच दो हफ्ते के लिए सीजफायर की घोषणा की गई थी।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के एक्स हैंडल पर जो पोस्ट किया गया, उसमें लिखा था, 'ड्राफ्ट- एक्स पर पाकिस्तान के पीएम का मैसेज।' हालांकि इस पोस्ट को एडिट कर दिया गया था, लेकिन एडिटेड हिस्ट्री से इसका खुलासा हो गया। इससे एक बात साफ हो गई थी कि पाकिस्तान के पीएम के एक्स हैंडल पर जो भी पोस्ट किया गया, उसमें शब्द किसी और के थे, बस आवाज पाकिस्तानी पीएम की थी।

इस पोस्ट के बाद ये अटकलें और तेज हो गई कि पाकिस्तान अमेरिका के इशारे पर मध्यस्थता का काम कर रहा है।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, पीएम ताकाइची ने लोगों को अलर्ट रहने की दी चेतावनी

एजेंसी

टोक्यो। सोमवार सुबह उत्तरी जापान के एक हिस्से में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। हालांकि, किसी नुकसान या किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने लोगों को अलर्ट रहने की चेतावनी दी है। जापान टुडे के अनुसार, जापान मौसम एजेंसी ने सुनामी की कोई एडवाइजरी जारी नहीं की। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप जापान के सबसे उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो के छोटे से शहर साराबेत्सु से 18 किलोमीटर पश्चिम में 81 किलोमीटर की गहराई पर आया। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। वहीं पीएम ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सुबह करीब 5:24 बजे, होक्काइडो के टोकाची इलाके के दक्षिणी हिस्से में भूकंप का केंद्र था और होक्काइडो के उराहोरो टाउन में जापानी सीस्मिक स्केल पर सबसे

ज्यादा 5-कम इंटेंसिटी का तेज झटका महसूस किया गया। सुनामी की कोई चिंता नहीं है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'सरकार के तौर पर, भूकंप के तुरंत बाद, हमने 'प्राइम मिनिस्टर ऑफिस क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर' और 'प्राइम मिनिस्टर ऑफिस कम्युनिकेशन रूम' बनाया और मेरे निर्देशों के आधार पर, हम नुकसान की स्थिति को समझने और जनता को सही जानकारी देने जैसे रिस्पॉन्स के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जिन इलाकों में झटके तेज थे, हम उनसे अपील करते हैं कि आप इसी तरह की तीव्रता वाले भूकंप की संभावना के लिए अलर्ट रहें।' जापान की मॉनिटरिंग एजेंसी के अधिकारी ने चेतावनी दी कि जिन इलाकों में तेज झटके महसूस हुए, वहां चट्टानें गिरने और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। एजेंसी ने यह भी चेतावनी दी कि आने वाले हफ्ते में इस इलाके में इसी तरह की ताकत वाले और भूकंप आने की बहुत ज्यादा संभावना है।

जापान में एक हफ्ते पहले, 7.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसके बाद जापान ने देश के उत्तर-पूर्वी तटीय इलाकों में मेगाक्वेक के थोड़े ज्यादा खतरे की एडवाइजरी जारी की थी।

ईरान ने होर्मुज को फिर से खोलने और लड़ाई खत्म करने के लिए अमेरिका को दिया नया प्रस्ताव

एजेंसी

वाशिंगटन । ईरान ने अमेरिका को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने और युद्ध खत्म करने का एक नया प्रस्ताव दिया है। हालांकि इस नए प्रस्ताव में परमाणु मुद्दे का कोई जिक्र नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इस मुद्दे को बातचीत को अगले चरण के लिए टाल दिया गया है। इस रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी और मामले से जुड़े दो सूत्रों का हवाला दिया गया है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस के मुताबिक, इस प्रस्ताव का मकसद बातचीत में मौजूदा रुकावट को खत्म करना और ईरानी नेतृत्व के अंदर न्यूक्लियर रियायतों के दायरे को लेकर चल रही असहमति को बाईपास करना है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'यदि ब्लॉकेड को हटाया जाता है और हमले पूरी तरह से खत्म हो जाते हैं तो यूरेनियम संवर्धन के स्टॉक को हटाने और भविष्य में संवर्धन रोकने को लेकर ईरान के साथ

किसी भी बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप का असर खत्म हो जाएगा। ट्रंप का ईरान पर हमला करने का यही मकसद रहा है।'

इस बीच, तीन अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति सोमवार को अपनी शीर्ष राष्ट्रीय और विदेश नीति टीम के साथ लड़ाई पर सिचुएशन रूम मीटिंग कर सकते हैं। सूत्रों ने एक्सियोस को बताया कि ट्रंप की टीम बातचीत में रुकावट और अगले संभावित कदमों पर चर्चा करेगी। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने संकेत दिया था कि वह ईरान के तेल एक्सपोर्ट को रोकने के लिए नेवल ब्लॉकेड जारी रखना चाहते हैं, जिसका मकसद आने वाले समय में तेहरान को हार मानने पर मजबूर करना है।

ट्रंप के फॉक्स न्यूज के साथ इंटरव्यू के हवाले से कहा गया, 'जब आपके सिस्टम से बहुत ज्यादा तेल बह रहा हो और अगर किसी वजह से सप्लाई लाइन बंद हो जाती है और तेल को कंटेनरों या जहाजों में नहीं भरा जा सकता तो ज्यादा दबाव के कारण पाइपलाइन अंदर से फट सकती हैं। ऐसी स्थिति बनने में केवल तीन दिन लग सकते हैं।'

ट्रंप ने की 30 दिनों के भीतर फिर से व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर आयोजित करने की अपील

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर को 30 दिनों के भीतर फिर से आयोजित किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि किसी 'पागल व्यक्ति' की वजह से प्रेस की आजादी से जुड़े इस पुराने कार्यक्रम को बाधित नहीं होने देना चाहिए। कार्यक्रम स्थल के पास एक बंदूकधारी द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़कर गोलीबारी करने की घटना के बाद, सीबीएस के '60 मिनट्स' कार्यक्रम में दिए गए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि वह चाहते हैं कि इस सालाना कार्यक्रम को जल्द से जल्द और भी ज़्यादा सुरक्षा उपायों के साथ दोबारा आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि वे इसे फिर से करें। हम किसी चीज को ऐसे ही खत्म नहीं होने दे सकते। मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि वे इसे फिर से करें।'

उन्होंने भरोसा जताया कि अगली बार सुरक्षा और बेहतर होगी। उन्होंने कहा, 'इस बार और ज्यादा सुरक्षा होगी, बड़ा सुरक्षा घेरा होगा, सब ठीक रहेगा।' यह घटना शनिवार देर रात वाशिंगटन के एक होटल में हुई, जहां 2,500 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें सरकार के बड़े अधिकारी, लॉमेकर्स, राजनयिक और पत्रकार शामिल थे। सुरक्षा कर्मियों ने आरोपी को जल्दी ही काबू में कर लिया और इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई।

ट्रंप ने बताया कि उन्होंने आयोजकों से कहा था कि अगर संभव हो तो कार्यक्रम जारी रखें। उन्होंने कहा कि वे नहीं चाहते कि इस तरह की घटना के कारण कार्यक्रम रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना की वजह से ऐसे सार्वजनिक कार्यक्रमों को बंद नहीं किया जाना चाहिए। ट्रंप ने कहा, 'मैं नहीं चाहता कि कोई पागल व्यक्ति इस तरह के कार्यक्रम को रद्द करा दे।' राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हमले के बाद वहां मौजूद लोगों में एकता देखने को मिली। उन्होंने कहा, 'मैंने वहां एक ऐसा माहौल देखा, जहां सब एकजुट थे। एक तरह से वह बहुत अच्छा दृश्य था।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान शूटिंग पर बराक ओबामा बोले- लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में हुई शूटिंग के बाद आरोपी को पकड़ा जा चुका है। अमेरिकी एजेंसी मामले की जांच कर रही है और ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर इस घटना के पीछे का मकसद क्या था। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस पूरी स्थिति में तुरंत कार्रवाई कर हालात पर काबू करने के लिए सुरक्षा एजेंसी की सराहना की। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हालांकि हमें अभी तक व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में कल रात हुई शूटिंग के पीछे के मकसद के बारे में डिटेल्स नहीं पता हैं, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस सोच को नकार दें कि हमारे लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह है। यह अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंट्स के हर दिन दिखाए जाने वाले साहस और बलिदान की भी एक गंभीर याद दिलाता है। मैं उनका

शुक्रगुजार हूं और शुक्र है कि जिस एजेंट को गोली लगी थी, वह ठीक हो जाएगा।' अमेरिकी हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संकट के समय सबसे मजबूत होते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'मीडिया में कई लोग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप कल रात की घटनाओं के दौरान बहुत शांत और कंट्रोल में कैसे थे। यह एक महान लीडर की पहचान है और यह बताता है कि डोनाल्ड ट्रंप कौन हैं। मैंने पिछले कई सालों में उनके साथ बहुत समय बिताया है और संकट और उथल-पुथल के समय में वह सबसे मजबूत होते हैं।' गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान लॉस एंजेलिस के रहने वाले 31 साल के कोल टॉमस एलन के तौर पर हुई है। कोल तेजी से भागता हुआ बॉलरूम की तरफ जाता है, तभी सुरक्षाकर्मी अलर्ट हो गए और आनन-फानन में उसे कब्जे में लिया। फेडरल इलेक्शन कमीशन के रिकॉर्ड के अनुसार, एलन ने अक्टूबर 2024 में कमला हैरिस के प्रेसिडेंशियल कैंपेन के लिए 25 डॉलर का डोनेशन दिया था। कैलटेक में एक स्टूडेंट के तौर पर, व्हीलचेयर के लिए एक प्रोटोटाइप इमरजेंसी ब्रेक बनाने के लिए 2017 में टॉमस एलन को एक लोकल न्यूज रिपोर्ट में कवरेज भी दी गई थी। अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने बताया कि लॉस एंजिल्स के सबअर्ब टॉरेंस में रहने वाले 31 साल के कोल टॉमस एलन के नाम और फोटो से मिलती-जुलती एक लिंक्डइन प्रोफाइल में उसे सी 2 एजुकेशन में पार्ट-टाइम टीचर बताया गया है। प्रोफाइल के अनुसार, एलन ने 2017 में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री ली और पिछले साल कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी-डोमिंग्वेज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री ली।

हज 2026 : भारतीय राजदूत ने मक्का का दौरा किया, हाई-स्पीड ट्रेन और डिजिटल सेवाएं शुरू

एजेंसी

रियाद। भारत के सऊदी अरब में राजदूत सुहेल खान ने मक्का का दौरा किया और भारतीय हज यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मदीना से ट्रेन के जरिए मक्का पहुंचे भारतीय तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे का भी स्वागत किया। इस दौरान जेद्दा में भारत के कॉन्सुल जनरल फहद सूरी और कॉन्सुल हज सदफ चौधरी भी मौजूद थे, यह जानकारी सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडि?या 'एक?स' अकाउंट पर दी। दूतावास ने बताया कि इस साल बड़ी संख्या में भारतीय यात्री मक्का और मदीना के बीच सफर के लिए हरमैन हाई-स्पीड रेलवे का इस्तेमाल करेंगे। इसके अलावा इसका उपयोग जेद्दा और मक्का के बीच यात्रा के लिए भी किया जाएगा। इससे यात्रियों का सफर काफी तेज, सुरक्षित और आरामदायक हो जाएगा। 18 अप्रैल को हज 2026 के पहले जत्थे के

यात्री दिल्ली एयरपोर्ट से सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुए थे। उस समय दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां भी एयरपोर्ट पर मौजूद थीं। हज के लिए कई सुविधाएं शुरू की गई हैं। इनमें 'हज सुविधा ऐप' के जरिए डिजिटल सेवाएं बढ़ाना और 'हज सुविधा स्मार्ट बैंड' शामिल है, जिससे यात्रियों को ढूंढने और मदद करने में आसानी होगी। इस बार लगभग 20 दिन का छोटा हज विकल्प भी शुरू किया गया है, ताकि लोगों को ज्यादा सुविधा मिल सके। सरकार ने हर यात्री के लिए बीमा कवर भी बढ़ाकर लगभग 6.25 लाख रुपए कर दिया है, जिससे यात्रा के दौरान आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी।

करीब 60,000 यात्रियों को मक्का और मदीना के बीच हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी, जिससे उनका सफर तेज और आरामदायक होगा। इसके अलावा यात्रियों की रियल-टाइम निगरानी, शिकायत निवारण सिस्टम, बेहतर मेडिकल जांच और स्वास्थ्य सुविधाएं और सऊदी अरब में ठहरने और परिवहन की बेहतर व्यवस्था भी की गई है। मक्का में होटल जैसी रहने की सुविधा भी दी जा रही है।

चाड में पानी को लेकर हुए विवाद में 40 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी

न्जामेना। दक्षिण अफ्रीकी देश चाड में पानी के स्रोत पर अधिकार को लेकर दो परिवारों के बीच हुई हिंसक झड़प में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। चाड के उप प्रधानमंत्री लिमाने महामत के अनुसार, यह हिंसा एक जल स्रोत को लेकर दो परिवारों के बीच शुरू हुए झगड़े का परिणाम थी। यह विवाद

बाद में बदले की कार्रवाइयों में बदल गया। चाड के राष्ट्रपति महामत इदरीस देबी इतनो ने स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर एक आयोग भेजा है, जिसमें उप प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और जनरल स्टाफ के प्रमुख शामिल हैं। उप प्रधानमंत्री ने बताया कि सेना की तैनाती के बाद स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि पड़ोसी सूडान से आने वाले शरणार्थियों के कारण चाड के पूर्वी प्रांतों में संसाधनों की कमी लगातार बढ़ रही है, जिससे इस तरह के संघर्षों की आशंका बनी रहती है।

बीएलए का दावा, '10 दिन में मारे 42 पाकिस्तानी सैनिक'

एजेंसी

क्वेटा । बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 15 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच बलूचिस्तान के विभिन्न जिलों में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ हुए अलग-अलग हमलों की जिम्मेदारी ली है। दावा है कि इस दौरान सेना के 42 कर्मी मारे गए, कई घायल हुए और एक सैनिक पकड़ा भी गया। यह जानकारी सोमवार को स्थानीय मीडिया ने दी। बीएलए के प्रवक्ता, जीयंद बलूच, ने एक बयान जारी किया। इसके मुताबिक, ग्रुप के लड़ाकों ने पाकिस्तानी सिक्योरिटी फोर्स को निशाना बनाकर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से डायरेक्ट अटैक किया, घात लगाकर भी हमले किए, छापे मारे, और ड्रोन हमले भी किए। इस दौरान हथियार जब्त किए तो कुछ इलाकों में पाकिस्तानी फोर्स की कई पोस्ट और स्थलों पर कुछ समय के लिए कब्जा तक जमा लिया। बलूचिस्तान में हमलों की टाइमलाइन का जिक्र करते हुए आगे बताया कि पाकिस्तानी फोर्स पर तब हमला किया गया जब वे कलात में एक एक्सप्लोसिव डिवाइस को डिफ्यूज करने की कोशिश कर रहे थे, जबकि दलबंदिन में पुलिस स्टेशनों और रेस्ट हाउस पर कुछ समय के लिए कब्जा कर लिया गया, और कुछ सामानों और गाड़ियों में आग लगा दी गई। 24 अप्रैल को, बीएलए ने दावा किया कि उसने प्रांतीय राजधानी क्वेटा के पास एक पेट्रोलियम और गैस कंपनी से जुड़ी एक साइट पर कब्जा कर लिया है, जिससे मशीनरी और गाड़ियां नष्ट हो गईं। ग्रुप ने कहा कि सुराब में, पाकिस्तानी फोर्स पर आईईडी हमले के बाद घात लगाकर हमला किया

गया, जिससे काफी नुकसान हुआ। बयान में आगे कहा गया कि ग्रुप ने 19 अप्रैल को पाकिस्तानी सेना के काफिले और चेकपॉइंट्स पर कई हमले किए, जिससे कई जवान मारे गए और घायल भी हुए।

इसके पहले, 18 अप्रैल को हरनाई के शाहराग इलाके में हुई झड़प का भी खुलासा किया गया। सशस्त्र समूह के अनुसार यहां एक पाकिस्तानी सैनिक को जिंदा पकड़ा गया। बीएलए की मानें तो उन्होंने झाल मगसी में एक लेवी पोस्ट पर कब्जा कर कई हथियार भी जब्त किए। ग्रुप ने बताया कि 15 अप्रैल को, उसके लड़ाकों ने सोहंदा इलाके में आगे बढ़ रही पाकिस्तानी सेना को रिमोट-कंट्रोल्ड आईईडी से निशाना बनाया, घात लगाकर हमला किया, जिसमें पाकिस्तानी सेना के कई जवान मारे गए। दूसरी ओर, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने बलूचिस्तान के कई हिस्सों में एक के बाद एक कई हमले करने का भी दावा किया, जिसमें सेना के एक काफिले पर आईईडी हमला, एक पुलिस स्टेशन पर हमला और एक मिलिट्री हेडक्वार्टर पर हमला शामिल है। इसमें दो जवान मारे गए और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मीडिया को जारी एक बयान में, बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाहरम बलूच ने कहा कि लड़ाकों ने 25 अप्रैल को खुजदार के जवाह इलाके में एक पाकिस्तानी मिलिट्री काफिले पर हमला किया। उस दौरान पूरा दल बल दो कैंपों के बीच से गुजर रहा था। गाड़ी के गुजरते वक्त ही आईईडी ब्लास्ट किया गया।24 अप्रैल की एक और वारदात का जिक्र किया गया। समूह ने बताया कि उसके लड़ाके नोशकी मॉल इलाके में एक पुलिस स्टेशन में घुसे और कुछ देर के लिए पूरी इमारत पर कब्जा कर लिया।

page 1 and 8 Apr 28_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/28/2026 12:46 AM Page 2

स्थानीय समाचार

चडवाल में अवैध शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

कठुआ, 27 अप्रैल (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने चडवाल क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 51 क्वार्टर जेके एक्साइज व्हिस्की बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार थाना राजबाग की टीम ने नाका जांच के दौरान छन्न दित्याल निवासी राम पाल को गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से 180-180 एमएल के 51 क्वार्टर अवैध शराब बरामद हुई।

इस संबंध में थाना राजबाग में एफआईआर नंबर 105/2026 धारा 48 ए एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। एसएसपी कठुआ मोहित शर्मा ने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

'संस्कृत के बिना मिट जाएगी भारतीय संस्कृति की पहचान'

कठुआ, 27 अप्रैल (हि.स.)। वेद मंदिर, योल में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञ के अवसर पर योगाचार्य स्वामी राम स्वरूप जी ने श्रद्धालुओं को वेदों पर आधारित प्रवचन दिया। इस दौरान उन्होंने भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्वामी जी ने कहा कि वर्तमान सृष्टि का आरंभ लगभग 1,96,08,53,127 वर्ष पूर्व हुआ था और सृष्टि से पहले प्रलय की अवस्था थी जब न कोई जीव था और न ही कोई भौतिक वस्तु। उन्होंने बताया कि सृष्टि के आरंभ में कोई गुरु नहीं था, इसलिए परमात्मा स्वयं ही प्रथम गुरु के रूप में प्रकट होते हैं और वेदों का ज्ञान ऋषियों के हृदय में प्रदान करते हैं। उन्होंने ऋग्वेद और पतंजलि योगसूत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि परमात्मा ही सभी गुरुओं के भी गुरु हैं।

स्वामी जी के अनुसार परमात्मा द्वारा प्रकट की गई भाषा संस्कृत है जिसे देववाणी कहा जाता है।

यह भाषा शुद्ध, परिष्कृत और त्रुटिरहित है, जो किसी मनुष्य द्वारा निर्मित नहीं बल्कि दिव्य उत्पत्ति की भाषा है।

स्वामी राम स्वरूप जी ने कहा कि संस्कृत भारतीय संस्कृति की आधारशिला है जिसमें उपनिषद, छह दर्शनों, वाल्मीकि रामायण, महाभारत और भगवद गीता जैसे महान ग्रंथ संरक्षित हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नई पीढ़ी संस्कृत से दूर होती गई, तो भारतीय संस्कृति और पहचान पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। अंत में उन्होंने सरकार से अपील की कि देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत शिक्षा को अनिवार्य रूप से बढ़ावा दिया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रह सकें।

हीरानगर में गौ तस्करी नाकाम, 8 गोवंश बचाए, डंपर जब्त

कठुआ, 27 अप्रैल (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने हीरानगर थाना अधिकार क्षेत्र के बेई नाला के समीप गौ तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 8 गोवंश को सुरक्षित बचाया और एक डंपर जब्त किया हैपुलिस के अनुसार विश्वसनीय सूचना मिली थी कि एक डंपर जेके19ए-2570 में गोवंशों को क्रूर तरीके से भरकर छन्न खत्रियां से घगवाल सांबा की ओर ले जाया जा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नाका लगाकर वाहन को रोकने का प्रयास किया लेकिन चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

तलाशी के दौरान डंपर में 8 गोवंश अमानवीय स्थिति में पाए गए जिन्हें तुरंत मुक्त कर सुरक्षित किया गया। इस संबंध में थाना हीरानगर में एफआईआर नंबर 47/2026 धारा 223 बीएनएस व 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि इस तरह के अपराधों पर सख्ती से रोक लगाई जा सके।

उपराज्यपाल सिन्हा ने जीएमसी उधमपुर में सड़क दुर्घटना के घायलों से की मुलाकात

उधमपुर, 27 अप्रैल (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 20 अप्रैल को उधमपुर के रामनगर में सड़क दुर्घटना के दौरान घायल हुए लोगों के स्वास्थ्य और कुशलक्षेम के बारे में जानकारी लेने के लिए आज सरकारी मेडिकल कॉलेज का दौरा किया।

उपराज्यपाल को वरिष्ठ डॉक्टरों की एक टीम ने अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार थमा, 29 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली/कोलकाता, 27 अप्रैल (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम थम गया।राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा की बाकी 142 सीटों पर बुधवार (29 अप्रैल) को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

प्रथम चरण के 23 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई मतदान केंद्रों पर हिंसा को देखते हुए इस बार सुरक्षा के और कड़े प्रबंध किए गए हैं।

चुनाव आयोग के मुताबिक इस चरण में कोलकाता, हावड़ा, नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली और पूर्व बर्धमान की सीटों पर मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में लगभग 40 हजार मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण में कई संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसके चलते चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती है।

शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कुल 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी। इनमें सबसे अधिक 507 कंपनियां उत्तर 24 परगना जिले में तैनात होंगी।

बांग्लादेश से सटी लंबी तटीय सीमा और सुंदरबन क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में तटीय गश्त और सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने सीमा क्षेत्रों में विशेष

चौकसी और सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैरकपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दो बड़े रोड शो किए। पहला बेहाला थाना से मंटन तक और दूसरा हुगली के चंदननगर बागबाजार क्षेत्र में आयोजित किया गया। रोड शो के दौरान अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन मांगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी जादवपुर और टॉलीगंज के प्रत्याशियों के समर्थन में जादवपुर के सुकांत सेतु से जनसभा मार्च में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने अपने भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में भी जनसभा की। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राणाघाट, हुगली, आरामबाग और महेशतला में व्यापक प्रचार किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी चार चुनावी कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने उत्तर 24 परगना के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो से शुरुआत की, इसके बाद हुगली के धानेखाली में जनसभा को संबोधित किया। फिर कोलकाता के दमदम विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया और अंत में राजारहाट गोपालपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

पश्चिम बंगाल में पिछले एक महीने से चुनावी माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ था। रैलियों, रोड शो, जनसभाओं और तीखे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच सोमवार शाम प्रचार थमने के साथ अब फैसला मतदाताओं के हाथ में आ गया है। उल्लेखनीय है कि 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड 93.19 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था, जिसने राज्य में चुनावी उत्साह को और स्पष्ट कर दिया। इस अभूतपूर्व मतदान प्रतिशत ने राजनीतिक दलों की रणनीतियों और चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित किया है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना

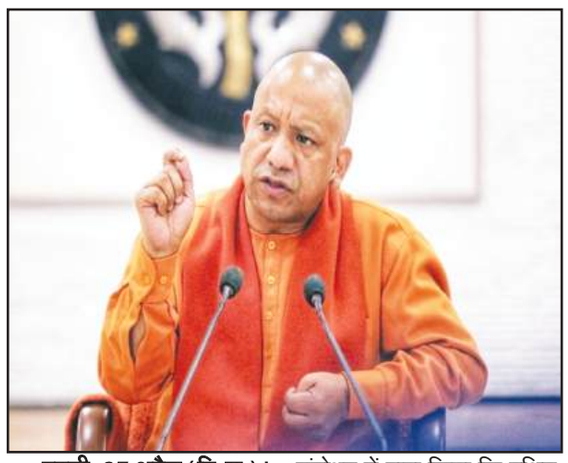

हुगली, 27 अप्रैल (हि. स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए सोमवार को प्रचार समाप्त हो गया।

प्रचार के आखिरी दिन हुगली जिले के धनियाखाली में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और राज्य की कानून-व्यवस्था से लेकर सांस्कृतिक मुद्दों तक कई सवाल उठाए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने संबोधन में दावा किया कि पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय भी अब तृणमूल के खिलाफ खड़ा हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद ही तृणमूल कार्यकर्ताओं में भय का माहौल बन गया है और चुनाव परिणाम आने के बाद उनकी स्थिति और कमजोर हो जाएगी।

उन्होंने उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की तुलना करते हुए कहा कि जहां उत्तर प्रदेश में राम नाम और हर हर महादेव की गूंज सुनाई देती है, वहीं बंगाल में तृणमूल समर्थित तत्वों पर अव्यवस्था फैलाने और कब्जा करने के आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में दंगे और गुंडागर्दी आम थे, लेकिन उनकी सरकार आने के बाद स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।

योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राम के नाम से उन्हें आपत्ति होती है और पिछले 15 वर्षों में राज्य की स्थिति खराब हुई है

। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में पारंपरिक और धार्मिक विषयों पर खुलकर बात नहीं की जाती।

अपने भाषण में उन्होंने संवेदनशील मुद्दों का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि राज्य में कुछ सामाजिक समस्याओं पर पर्याप्त कार्रवाई नहीं हो रही है। हालांकि, इन आरोपों पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

LA-VEERAZ कपड़ा फैक्ट्री, खारा मदाना में आयोजित पहले La-veeraz कप शतरंज फ़िएस्टा को पारस शर्मा ने जीता

जम्मू, 27 अप्रैल। LA-VEERAZ कपड़ा फैक्ट्री, खारा मदाना में आयोजित पहले La-veeraz कप शतरंज फ़िएस्टा को पारस शर्मा ने जीता। इस अवसर पर पूर्व ष्ठष्ट सदस्य श्री अवतार सिंह मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने विजेताओं के बीच 25,000 रुपये के नकद पुरस्कार वितरित किए। इस प्रतियोगिता में 5 से 70 वर्ष की आयु के कुल 65 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

दूसरा स्थान अनुभवी खिलाड़ी S.P. शर्मा को मिला, जबकि मैक्सिम सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया। ऋत्विक गंडोत्रा, पझनी कोहली, सुमित ग्रोवर, हरिनंदन, राज्यवर्धन सिंह, आकाशदीप सिंह और सुरिंदर गुप्ता ने क्रमशः चौथा से दसवां स्थान प्राप्त किया।

अमृता गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ महिला का पुरस्कार मिला; वहीं मितांश को सर्वश्रेष्ठ -15, ईशवम क्षात्रा को सर्वश्रेष्ठ -13, केशव को सर्वश्रेष्ठ -11, युवां को सर्वश्रेष्ठ -9 और करण को सर्वश्रेष्ठ -7 का पुरस्कार दिया गया।

इस प्रतियोगिता में स्तुति गुप्ता

मुख्य निर्णायक थीं, जबकि अदिति शर्मा उप-मुख्य निर्णायक थीं। यह प्रतियोगिता स्विस प्रणाली के तहत रैपिड फ़ॉर्मेट में आयोजित की गई थी। इसमें कुल 7 राउंड खेले गए।

यह प्रतियोगिता ऑल ।शतरंज संघ की अध्यक्ष मीनल गुप्ता की देखरेख में आयोजित की गई थी।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से परिधान क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसर : कपड़ा मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 अप्रैल । भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को नई दिल्ली में ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। कपड़ा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार यह समझौता दोनों देशों के बीच भविष्य के लिए तैयार साझेदारी को दर्शाता है। देश के वस्त्र और परिधान क्षेत्र के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। न्यूजीलैंड का बाजार भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा द्वार खोलने वाला है।

आंकड़ों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय-न्यूजीलैंड की लगभग 52 हजार डॉलर की उच्च प्रति व्यक्ति आय और शहरी केंद्रों में केंद्रित 53 लाख की आबादी भारतीय उत्पादों के लिए एक प्रीमियम मार्केट सुनिश्चित करती है। आयात की स्थिति- न्यूजीलैंड के कुल वैश्विक आयात में परिधान क्षेत्र की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। वर्तमान में न्यूजीलैंड वस्त्रों पर 0.33 अरब डॉलर, परिधान पर 1.27 अरब डॉलर और तैयार उत्पादों पर 0.33 अरब डॉलर का वैश्विक आयात करता है। अब तक भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के एमएफएन शुल्क का सामना करना पड़ता था, जो विशेष रूप से ऊन, एमएमएफ, कालीन और तैयार परिधानों पर लागू थे। एफटीए के लागू होने के बाद भारतीय उत्पादों की लागत कम हो जाएगी, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो सकेंगे। न्यूजीलैंड में विशेष रूप से कैजुअल वियर, जैकेट, फॉर्मल वियर और स्पोर्ट वियर की भारी मांग है। भारत के पास कई उप-क्षेत्रों में विकास की प्रबल संभावनाएं हैं। इनमें परिधान (जूट, लिनन, ऊन और मल्टी-मेड फैब्रिक), धागा और रेशा (कपास, रेशम और एमएमएफ आधारित धागे) और हस्तशिल्प (पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पाद) शामिल हैं। इस समझौते से केवल व्यापार ही नहीं बल्कि शैक्षणिक और रचनात्मक सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। एफटीए के माध्यम से भारतीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थानों (निफ्ट) और डिजाइन घरानों के लिए न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करने के रास्ते खुल गए हैं।

तीन दिन की लगातार बड़ी गिरावट के बाद इन वजहों से उबरा घरेलू शेयर बाजार

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार आज पिछले सप्ताह के आखिरी तीन कारोबारी दिन की बड़ी गिरावट के झटके से उबरता हुआ नजर आया। शेयर बाजार में आज की तेजी के कारण निवेशकों की संपत्ति में भी 6.78 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दिन के कारोबार के दौरान मुनाफा वसूली की वजह से आज बिकवाली के झटके भी लगते रहे, लेकिन बाजार में इतना अधिक उत्साह था कि बिकवाली होने के बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करते रहे।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच सुलह होने की उम्मीद की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज उत्साह का माहौल बना रहा। पश्चिम एशिया में शांति होने और तनाव घटने की उम्मीद के कारण ग्लोबल और एशियन मार्केट से भी पॉजिटिव खबरें आती रही, जिससे घरेलू शेयर बाजार को काफी सपोर्ट मिला।

उधमपुर में मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़ी 73 लाख रुपये से अधिक की संपत्तियां जब्त

जम्मू, 27 अप्रैल (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के डोडा और कठुआ जिलों में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए गहन अभियान के दौरान छह लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने प्रतिबंधित पदार्थ और 23 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है।

पुलिस ने बताया कि इसी के समानांतर कार्रवाई करते हुए उधमपुर जिले में मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़ी 73 लाख रुपये से अधिक की संपत्तियों को संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया गया है।

डोडा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोहम्मद असलम ने बताया कि रविवार शाम को डोडा के डाक मोहल्ले स्थित एक घर पर छापेमारी के दौरान 85 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर और 23 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद होने के बाद एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि जरीना बेगम मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्तता की सूचना मिलने के बाद से पुलिस की निगरानी में थी।

अधिकारियों ने बताया कि जरीना के अलावा छापेमारी के दौरान उसकी बेटी और दामाद को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। असलम ने कहा कि हमने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है और उसके आधार पर गिरफ्तारियां की जाएंगी और हम अन्य संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी जारी रखे हुए हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कठुआ जिले में अलग-अलग स्थानों से तीन नशीले पदार्थ तस्करों हीरानगर के प्रदीप सिंह, बिलावर के रहीस बट और अमृतसर (पंजाब) के अली सेन को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदीप सिंह से 2.79 ग्राम हेरोइन और बट से 2.66 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसी तरह सेन से 303 ग्राम हेरोइन जब्त की गई, जिसे जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर भगथली से मगर खड्ड की ओर निजी कार में जाते समय बेरियन-पट्टन गांव के पास रोका गया था। प्रवक्ता ने बताया कि तीनों पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

उधमपुर में प्रवक्ता ने बताया कि मादक औषधि एवं मनोविकारकारी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज दो अलग-अलग मामलों में 73 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। उन्होंने बताया कि जब्त की गई संपत्तियों में एक नवनिर्मित आवासीय मकान, एक कार, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 65 लाख रुपये है। ये संपत्तियां सैफ अली की हैं जिसे इस साल की शुरुआत में मजालता इलाके में एनडीपीएस मामले में बुक किया गया था। प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य कार्रवाई में डोडा निवासी दानिश बट की 8 लाख रुपये की चल संपत्ति जिसमें एक कार भी शामिल है को रेहंबल पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68(एफ) के तहत जब्त किया गया है

महिला आरक्षण के समर्थन में कठुआ में भाजपा महिला मोर्चा की आक्रोश रैली, विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन

कठुआ, 27 अप्रैल (हि.स.)। महिला आरक्षण बिल के समर्थन और विपक्ष के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा कठुआ द्वारा सोमवार को जिला सचिवालय के बाहर जोरदार आक्रोश रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व पूर्व मंत्री प्रिया सेठी ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की और नेता विपक्ष राहुल गांधी का पुतला जलाकर विरोध दर्ज कराया।

रैली में जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया, कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण, भाजपा जिला अध्यक्ष सहित सैकड़ों की संख्या में महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही। इस मौके पर राजीव जसरोटिया ने अपने संबोधन में कहा कि महिला आरक्षण और डिलिमिटेशन प्रक्रिया आपस में जुड़ी हुई हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में डिलिमिटेशन को 25-25 वर्षों के लिए स्थगित किया गया था। वर्तमान में 2026 के लिए प्रस्तावित डिलिमिटेशन जनगणना न होने के कारण लंबित है।

उन्होंने आगे कहा कि पहले संसद में 543 सदस्य थे लेकिन डिलिमिटेशन के बाद इनकी संख्या बढ़ाई जानी थी। इसी प्रक्रिया के साथ महिला आरक्षण लागू करने की योजना बनाई गई थी ताकि महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। जसरोटिया ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न कीं और महिला आरक्षण को लागू होने से रोकने का प्रयास किया।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस सरकार पहले इस बिल को राज्यसभा में लेकर आई थी लेकिन इसे प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया। वहीं नरेंद्र मोदी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाए और बिल में संशोधन के लिए भी विपक्ष को अवसर दिया लेकिन कांग्रेस ने सहयोग नहीं किया।

रैली को संबोधित करते हुए प्रिया सेठी ने विपक्ष के रवैये की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल देश की आधी आबादी को उनका अधिकार देने में बाधा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए